समग्र शिक्षा
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमद:

गतिविधियों का ख़ज़ाना

हिंदी

कक्षा 8

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली.110024

ISBN: 978-93-93667-62-5
उत्कर्ष– हिंदी गतिविधियों का ख़ज़ाना कक्षा आठवीं
© राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
दिसम्बर, 2021
53,100 (प्रतियाँ)

प्रकाशितः राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

मुद्रित **राज प्रिंटर्स**, ट्रोनिका सिटी, गाजियाबाद

MANISH SISODIA
मनीष सिसोदिया

सत्यमेव जयते

DEPUTY CHIEF MINISTER
GOVT. OF NCT OF DELHI
उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार
DELHI SECTT, I.P. ESTATE,
दिल्ली सचिवालय, आई.पी.एस्टेट,
NEW DELHI-110002
नई दिल्ली-110002
Email : msisodia.delhi@gov.in

D.O. No. DYCM/2021/291
Date : 21.12.2021

संदेश

दिल्ली सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच प्रदान करने के विभिन्न प्रयासों में सदैव तत्पर रही है। हमने समतामूलक और समावेशी शिक्षा को सुनिश्चित करने हेतु अनेक कार्यक्रम क्रियान्वित किए हैं। कोरोना महामारी ने पिछले दो वर्षों से स्कूली शिक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। विद्यालय बंद होने से विद्यार्थी घरों तक सीमित होकर रह गए हैं। इस दौरान शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाए रखने हेतु ऑनलाइन शिक्षा का प्रयोग किया गया किन्तु ऑनलाइन शिक्षा अपने तमाम गुणों के बावजूद सभी बच्चों तक अपनी पहुँच को लेकर प्रश्नांकित होती रही है। प्रायः शिक्षकों ने विद्यार्थियों से ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से जुड़ने और उनकी प्रगति का आकलन करने का प्रयास किया। वंचित समूहों, प्रवासी मजदूरों के बच्चों, प्रथम पीढ़ी के छात्रों और विविध परिस्थितियों में ऑनलाइन शिक्षण से न जुड़ पाने वाले विद्यार्थियों को विद्यालयी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता एक चुनौती के रूप में मौजूद ही रही। इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, सभी बच्चों को वांछित सीखने के परिणामों की ओर उन्मुख करने और उनकी अधिगम में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु 'उत्कर्ष' पुस्तक श्रृंखला का निर्माण किया गया है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली और समग्र शिक्षा के संयुक्त प्रयास से ऐसी गतिविधियों का निर्माण किया गया है जो शिक्षा के इस अंतराल की पूर्ति करने में सहायक सिद्ध होंगी। प्रायोगिक अधिगम पर आधारित ये गतिविधियाँ जहाँ विद्यार्थियों में पढ़ने-लिखने और संख्याओं के साथ बुनियादी संक्रियाओं को करने में कारगर होंगी, वहीं उनके शारीरिक-भौतिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक, संवेगात्मक, नैतिक और सांस्कृतिक विकास हेतु प्रभावी माध्यम के रूप सहायक होंगी।

हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, उर्दू, पंजाबी और गणित में कक्षा 6 से 8 (मिडिल स्तर) पर बनाई गई गतिविधियों की ये पुस्तकें खेल-आधारित, बहुआयामी और खोज आधारित शिक्षा की संकल्पना को मूर्त रूप प्रदान करती हैं। बेहतर अधिगम परिणामों हेतु सामाजिक विज्ञान, गणित और विज्ञान की पुस्तकों को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में बनाया गया है। विद्यार्थी खेलों और गतिविधियों के द्वारा मानवीय संवेदनाओं, समूह में कार्य करना, आपसी सहयोग, शिष्टाचार और श्रेष्ठ नागरिक के गुणों को भी स्वयं में आत्मसात कर पाएँगे। आशा है कि इन पुस्तकों के माध्यम से एक नवीन शैक्षिक क्रांति का सूत्रपात होगा। विद्यार्थियों की अवधारणात्मक समझ के साथ-साथ उनमें रचनात्मकता और तार्किक चिंतन की प्रवृत्तियों का विकास होगा। अनुभव-आधारित शिक्षण पर आधारित ये पुस्तकें स्थानीय संदर्भों की विविधता, बहुभाषिकता और स्थानीय परिवेश के लिए सम्मान को समाहित किए हुए हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि समतामूलक और समावेशी शिक्षा हेतु ये पुस्तकें विद्यार्थियों को सुदृढ़ आधार प्रदान करेंगी और शिक्षा जगत में मील का एक पत्थर सिद्ध होंगी।

(मनीष सिसोदिया)

H. RAJESH PRASAD
IAS

सत्यमेव जयते

प्रधान सचिव (शिक्षा/प्रशिक्षण व तकनीकी शिक्षा/ उच्च शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Pr. Secretary (Education/TTE/ HE)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

संदेश

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि कोरोना काल के लगभग दो साल के विकट दौर के बाद हम पुनः सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। कोरोना महामारी पर नियंत्रण पाने में हमने अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है। शिक्षा के क्षेत्र में भी पिछले दो वर्षों से ऑनलाइन शिक्षण, कार्यपत्रकों व ऑनलाइन गतिविधियों का सफल प्रयोग किया गया किंतु शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रत्यक्ष न हो पाने से और विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संपर्क व संवाद के अभाव में, कुछ पारिवारिक एवं आर्थिक कारणों की वजह से, सीखने की इस श्रृंखला में हमारे कई विद्यार्थी हमसे छूट गए हैं और उनके अधिगम के स्तर पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

इस अधिगम अंतराल की चुनौती को हल करने हेतु अधिगम संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत 'उत्कर्ष' पुस्तक श्रृंखला निर्मित की गई है। इन पुस्तकों में अनेक गतिविधि-पत्रक हैं जो कक्षा विशेष के अनुरूप अधिगम प्रतिफलों के आधार पर विकसित किए गए हैं । विद्यार्थियों की संस्कृति, बहुभाषिकता और उनके परिवेश को ध्यान में रखते हुए सीखने के सामाजिक संदर्भों के इर्द-गिर्द गतिविधियाँ रची गई हैं। विद्यार्थियों के भावनात्मक और बौद्धिक स्तर के अनुसार इन गतिविधियों का निर्माण किया गया है ताकि विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित किया जा सके।

आशा है कि विद्यार्थी इन गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान सृजन की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागी बनेंगे और उनका सर्वांगीण विकास होगा ।

इसी शुभकामना के साथ...

(एच. राजेश प्रसाद)

HIMANSHU GUPTA, IAS
Director, Education & Sports

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

"वह पथ क्या पथिक कुशलता क्या जिस पथ पर बिखरे शूल न हों
नाविक की धैर्य परीक्षा क्या यदि धाराएँ प्रतिकूल न हों"

-- जयशंकर प्रसाद

जीवन की विकट परिस्थितियों में ही हमारे व्यक्तित्व और चरित्र का सही आकलन हो पाता है। कोरोना महामारी के संकट ने संपूर्ण विश्व को झकझोर दिया। हमारे देश ने इस संकट से निपटने हेतु अनेक प्रयास किए हैं। इन प्रयासों से अनेक आशातीत सफलताएँ भी अर्जित हुई। किन्तु सामान्य जीवनधारा पर इसका प्रतिकूल प्रभाव अभी भी स्पष्ट देखा जा सकता है। इन प्रतिकूलताओं से उबरने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं और निष्ठापूर्वक इस दिशा में प्रयासरत हैं। विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र पर इसका सर्वाधिक प्रभाव पड़ा है। वर्तमान परिदृश्य में यह अत्यंत आवश्यक है कि सीखने के प्रतिफलों की वर्तमान स्थिति और वांछनीय अधिगम प्रतिफलों के बीच की खाई को पाटा जाए। सभी विद्यार्थियों को समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य को केंद्र में रखकर 'उत्कर्ष' पुस्तक श्रृंखला को तैयार किया गया है। कक्षा 6 से 8 (मिडिल स्तर) के विद्यार्थियों के लिए ऐसी रोचक गतिविधियों का निर्माण किया गया है जो उन्हें जिज्ञासा, खोज, अनुभव और संवाद के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराते हुए जीवन के सभी पक्षों हेतु सुदृढ़ आधारभूमि प्रदान करेंगी। बदलती परिस्थितियों में यह अत्यंत आवश्यक है कि विद्यार्थी 21वीं सदी के कौशलों में दक्ष हो, साथ ही उनमें नैतिकता , तार्किकता, तदानुभूति और संवेदनशीलता का भाव विकसित हो जिससे वे भावी समय में उत्कृष्ट जीवन की ओर अग्रसर हों। हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, उर्दू और पंजाबी विषयों/भाषाओं पर लिखी गई पुस्तकें जहाँ विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमताओं का विकास करेंगी, वहीं उनके दैनिक परिवेश से परस्पर सहज जुड़ाव और समन्वय स्थापित करेंगी। ये गतिविधि-पत्रक बहुविषयक और समग्र शिक्षा के लक्ष्य को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं, जिनमें सीखने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं। स्वअनुदेशात्मक आधार पर निर्मित गतिविधियाँ, रंग-बिरंगे चित्र, गीत, कविताएँ, पहेलियाँ, कहानियाँ, कार्टून, पोस्टर, खेल, कठपुतलियाँ आदि बरबस ही विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित कर उन्हें स्वमूल्यांकन हेतु प्रेरित करेंगी और प्रभावशाली अधिगम का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि विद्यार्थियों की सामान्य तथा विशेष अधिगम कठिनाइयों के निदान तथा वांछित सीखने के प्रतिफलों की संप्राप्ति में ये पुस्तकें प्रभावकारी माध्यम सिद्ध होंगी। साथ ही समावेशी, समतामूलक और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देंगी।

शुभकामनाओं सहित...

(हिमांशु गुप्ता)

Rajanish Singh
Director

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel. : +91-11-24331356, Fax: +91-11-24332426
E-mail: dir12scert@gmail.com

Date : 20/12/2021

D.O. No. : 10(41)/Misc./SCERT/DPB/2021-22/212

संदेश

प्यारे बच्चों, कोरोना की वैश्विक महामारी के चलते विगत पौने दो वर्षों का समय अत्यंत चुनौतीपूर्ण रहा। लंबे कोरोना काल ने वैश्विक स्तर पर मानव जीवन के ज्यादातर क्षेत्रों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इस सर्वग्रासी विभीषिका ने मनुष्य के स्वास्थ्य, आजीविका, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को छिन्न-भिन्न कर दिया। कोरोना से सबसे बुरी तरह से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में शिक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। हमारे देश में कोरोना की पहली लहर के दौरान विद्यालयी शिक्षा लगभग बाधित रही । दूसरी लहर के दौरान भी स्थिति चिंताजनक बनी रही। विद्यालयों को बंद रखने के अतिरिक्त कोई और विकल्प न होने से विद्यार्थियों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया लंबे समय तक स्थगित रही। दिल्ली सरकार और विभिन्न संस्थाओं ने अपने-अपने स्तर पर ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था कर इस अपूर्णीय क्षति को कुछ कम करने के अनेक प्रयास अवश्य किए। यह भी विदित है कि विद्यालय की कक्षा में चलने वाली एक प्रत्यक्ष शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को पाठ्यवस्तु के साथ सक्रिय रूप से अंतःक्रिया करने के जितने अवसर उपलब्ध होते हैं, वह ऑनलाइन शिक्षण में संभव नहीं है। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन शिक्षण की पहुँच समाज के प्रत्येक तबके तक सुनिश्चित कर पाना भी एक बड़ी समस्या रही है।

इन सभी चुनौतियों को मद्देनजर रखते हुए यह महसूस किया गया कि हमारे कुछ विद्यार्थियों में कोरोना काल के दौरान एक विशेष प्रकार का अधिगम अंतराल उत्पन्न हो गया है। प्यारे बच्चों, 'उत्कर्ष' पुस्तक श्रृंखला इस अधिगम अंतराल को कम करने की दिशा में एक पहल है। यह पुस्तक गतिविधि-पत्रकों का एक संकलन है जो आपको स्वयं सीखने के अधिक से अधिक अवसर प्रदान करती है। इन गतिविधि-पत्रकों का उपयोग आप बिना किसी शिक्षक की सहायता के स्वयं भी कर सकते हैं। खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया से गुजरते हुए यह पत्रक आपको निर्धारित कक्षा के अपेक्षित अधिगम प्रतिफलों की संप्राप्ति में सहायता करेंगे। मनुष्य अपने रोज़मर्रा के जीवन में अपने परिवार, पास-पड़ोस, समुदाय, प्रकृति व परिवेश से कुछ न कुछ सीखता ही रहता है। मनुष्य के सीखने की इसी नैसर्गिक विशेषता को ध्यान में रखते हुए इन गतिविधि-पत्रकों को आपके ही कुछ अनुभवी शिक्षकों ने तैयार किया है। मुझे आशा है कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली का यह प्रयास मिडिल स्तर के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सार्थक सिद्ध होगा । इन गतिविधियों में आप अपने सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश की झलक तो पाएँगे ही, अपेक्षा यह भी है कि इसके माध्यम से आप आधुनिक समाज के लिए जरूरी कौशलों को भी सीख पाएँ और एक सुखी व स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हों ।

शुभकामनाओं सहित...

(रजनीश सिंह)

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

Dr. Nahar Singh
Joint Director

State Council of Educational Research and Training

(An autonomous organisation of GNCT of Delhi)

Tel. : +91-11-24336818, 24331355, Fax 91-11-24332426
Tel. : +91-11- 24331355, Fax 91-11-24332426
Email : jdscertdelhi@gmail.com

Date: 20/12/2021

D. O. No. :11(2)/JDB/misc./SCERT/2021-22/213

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

" पृथ्वी कहती धैर्य न छोड़ो कितना ही हो सिर पर भार,

नभ कहता है फैलो इतना ढक लो तुम सारा संसार"

—सोहनलाल द्विवेदी

कोरोना काल हमारे लिए अनेक चुनौतियाँ लेकर आया है, किंतु इन्हीं चुनौतियों ने हमारे जीवन को नवीन दिशा प्रदान की तथा धैर्य, अदम्य साहस और स्वावलंबन को अपनाने की प्रेरणा दी । पिछले कुछ समय से तालाबंदी के दौरान विद्यालयी शिक्षा सुचारु रूप से नहीं हो पाई, जिससे बच्चों के सीखने की प्रक्रिया बाधित हुई। इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि घरों में ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे बच्चे क्या अपनी निर्धारित कक्षा व विकासात्मक स्तर के अनुरूप ज्ञान, कौशल और दक्षता का अर्जन कर पा रहे हैं? विभिन्न अध्ययनों और शिक्षकों से बातचीत के दौरान यह बात उभर कर सामने आई कि ऑनलाइन शिक्षण कुछ मूलभूत शैक्षिक कौशलों के विकास में पूर्णतः सक्षम नहीं है। अतः विद्यार्थियों में वांछित अधिगम की संप्राप्ति में कुछ स्पष्ट अंतराल रह गए। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह अत्यंत प्रासंगिक है कि सीखने के इस अंतराल को कम करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जाएँ। अधिगम के स्तर पर इसी अंतराल को कम करने के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली और समग्र शिक्षा के संयुक्त प्रयास से आपके लिए विशेष पाठ्य सामग्री का निर्माण किया गया है, जिसे 'उत्कर्ष' नामक पुस्तक में संकलित कर आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है । यह पुस्तक आप में निरीक्षण, आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मक चिंतन, प्रश्न पूछना, समस्या समाधान, प्रभावी संप्रेषण, निर्णय लेना, तदानुभूति और तत्कालीन मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता का भाव विकसित करेगी।

आपके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ...

(डॉ. नाहर सिंह)

शिक्षकों से संवाद

शिक्षक साथियों, हिंदी की गतिविधियों का ख़ज़ाना पुस्तक आपके हाथ में है। यह पाठ्य सामग्री विद्यार्थियों के भाषायी कौशलों को विकसित करने हेतु गतिविधि–पत्रकों के रूप में है। इस पुस्तक में कुल 44 गतिविधि–पत्रक हैं। ये गतिविधि–पत्रक विद्यार्थियों के दैनिक जीवन और स्थानीय परिवेश से जुड़ी घटनाओं पर आधारित हैं। ये गतिविधि–पत्रक विद्यार्थियों के स्वयं करके सीखने के सिद्धांत पर आधारित हैं। उसे उपयोग में लाने से पहले भाषा शिक्षण संबंधी कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांतों को ध्यान में रखना चाहिए।

- विद्यार्थियों को स्वयं करके सीखने के अत्यधिक अवसर प्रदान किए जाएं।
- विद्यार्थियों को अपने परिवेश से जुड़ी घटनाओं व परिस्थितियों को खोजने, समझने और जानने के बारे में प्रेरित करें।
- विद्यार्थियों को अपने अनुभवों को साझा करने के अत्यधिक अवसर प्रदान किए जाएं।
- विद्यार्थियों को प्रेरित करें कि वे अपने मित्रों, माता–पिता, परिवारजनों से गतिविधियों पर चर्चा करें।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करें।

ये गतिविधि–पत्रक इस प्रकार निर्मित किए गए हैं कि विद्यार्थी बिना शिक्षकों की सहायता से इन गतिविधियों को स्वयं करते हुए सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनें।

शिक्षकों के लिए निर्देश

☞ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एंव प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली द्वारा बनाए गए गतिविधि–पत्रकों का उपयोग केवल अभ्यास के उद्देश्य से किया जाना चाहिए।

☞ शिक्षक सभी विद्यार्थियों को निर्देशित करें कि दिए गए गद्यांश, काव्यांश व चित्र सामग्री का ध्यान पूर्वक मौन वाचन करें , इस दौरान शिक्षक सहयोग प्रदान करें।

☞ विद्यार्थियों द्वारा वाचन के उपरान्त शिक्षक प्रश्नों का वाचन करें।

☞ सभी गतिविधि–पत्रक सीखने के प्रतिफलों पर आधारित हैं।

☞ प्रत्येक गतिविधि–पत्रक में अभ्यास हेतु प्रश्न दिए गए हैं, अगर विद्यार्थी प्रश्नों को समझने में सक्षम न हो तो शिक्षक उन्हें समझाने का प्रयास करें।

☞ विद्यार्थियों द्वारा गतिविधि–पत्रकों को पूरा करने व लेखन हेतु शिक्षक उन्हें पर्याप्त समय प्रदान करें।

☞ सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्यार्थी गतिविधि–पत्रक को पूर्ण करें।

☞ विद्यार्थी अगर मातृभाषा में उत्तर देता है तो शिक्षक उसे हतोत्साहित न करें, बल्कि उसे लेखन हेतु प्रोत्साहित करें।

☞ गतिविधि–पत्रक के साथ शिक्षक अन्य गतिविधियाँ भी करवा सकते हैं।

☞ शिक्षक समावेशी शिक्षा का समावेश करते हुए गतिविधि करवा सकते हैं।

☞ कहानी कहना जैसी अन्य शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग शिक्षक कर सकते हैं।

☞ शिक्षक विद्यार्थियों की गतिविधि–पत्रक पूर्ण करने में सहायता प्रदान करें।

☞ शिक्षक विद्यार्थियों के द्वारा किए गए कार्य का रिकार्ड रखें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश

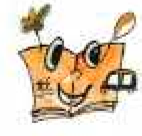

यह पुस्तक गतिविधियों का पिटारा है।

सभी गतिविधि–पत्रक रोचक एवं ज्ञानवर्धक हैं।

ये गतिविधियाँ आपके परिवेश से जुड़ी हैं। इन्हें करने के लिए अपने वातावरण को ध्यान से देखें समझें व इन्हें स्वयं करने की कोशिश करें।

अगर गतिविधियों को समझने में कोई परेशानी हो तो आप अपने अध्यापक/अध्यापिका की सहायता भी ले सकते हैं।

दी गई गतिविधियों पर अपने माता–पिता व मित्रों के साथ बातचीत कर अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को व्यक्त करें।

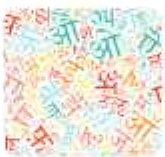

शब्द–निर्माण एवं वाक्य–निर्माण का अभ्यास करें।

शब्दों एवं वाक्यों के उच्चारण का अभ्यास करें।

बोलकर, लिखकर या चित्रों के माध्यम से गतिविधियों पर अपने विचार प्रकट करें।

विभिन्न रोचक तथ्यों से अपनी जानकारी बढ़ाएँ।

प्रस्तावना

कोरोना महामारी की वजह से हुए लॉकडाउन के दौरान दिल्ली के अधिकांश विद्यार्थियों के पठन–पाठन पर बहुत गहरा एवं नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। लगभग दो वर्षों से इन छात्रों की कक्षाएँ सामान्य रूप से नहीं चल पा रही हैं। यद्यपि विभाग द्वारा ऑनलाइन शिक्षा का कार्यक्रम लगातार चलाया जा रहा है, किंतु हम सब जानते हैं कि ऑनलाइन शिक्षण कुछ तकनीकी चुनौतियों के कारण वांछित रूप से प्रभावी नहीं हो पाया है। अतएव शिक्षकों, शिक्षाविदों और मनोवैज्ञानिकों द्वारा इस अंतराल को भरने के लिए अलग से प्रयास किए जाने का सुझाव दिया गया है। उन सुझावों के क्रियान्वयन की दिशा में SCERT द्वारा यह गतिविधि–पत्रक पुस्तिका तैयार की जा रही है।

इस लक्ष्य को लेकर SCERT द्वारा अधिगम संवर्धन कार्यक्रम के अतंर्गत गतिविधि–पत्रक पुस्तिका निर्माण के लिए यह तय किया गया कि विद्यार्थियों की दिनचर्या से जुड़े हुए शब्दों, क्रियाकलापों से संदर्भित घटनाओं से जुड़ी पाठ्यवस्तु को लेकर इन पत्रकों के अभ्यास निर्मित किए जाए। साथ ही विभागीय निर्देशानुसार ये कार्यपत्रक विद्यार्थियों के दैनिक जीवन, दिनचर्या, सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ और स्थानीय परिवेश पर आधारित हैं। ये सभी गतिविधि–पत्रक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दिए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के आधार पर बनाए गए हैं। इन गतिविधि–पत्रकों को हल करने के बाद विद्यार्थियों में उन क्षमताओं का विकास हो सकेगा जिससे वे अपने पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक में दिए गए पाठों को सहजता से समझ सकेंगे। अपेक्षा है कि इन गतिविधि–पत्रकों में दिए गए अभ्यास करने के बाद निश्चित रूप से विद्यार्थियों के भाषा संबंधी ज्ञान में संवर्धन होगा।

पुस्तक विकास समिति

दिशाबोध

श्री एच राजेश प्रसाद, प्रधान सचिव (शिक्षा) दिल्ली

श्री रजनीश सिंह
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

डॉ. नाहर सिंह
संयुक्त निदेशक अकादमिक, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

विषय समन्वयक

डॉ. रेखा रानी कपूर
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

विशेषज्ञ व पुनरीक्षण मंडल

डॉ. नीलकंठ
असिस्टेंट प्रोफेसर, एन.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

श्री. संजय अहिरवार
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

श्री बी.एस.रावत
फील्ड वर्कर, केंद्रीय शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

लेखक सदस्य

डॉ. रेखा रानी कपूर	असिस्टेंट प्रोफेसर, एस. सी. ई. आर. टी, दिल्ली
डॉ. कुमुद भारद्वाज	असिस्टेंट प्रोफेसर, डाइट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली
श्रीमती शशि प्रभा	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी), सर्वोदय बालिका विद्यालय, ए–ब्लॉक, विकासपुरी, दिल्ली
श्री राहुल कुमार	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी) (परामर्शदाता शिक्षक), सर्वोदय बाल विद्यालय, ए–ब्लॉक, विकासपुरी, दिल्ली
श्री उमेश कुमार शर्मा	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी), सर्वोदय बाल विद्यालय नं. 2, सी–ब्लॉक जनकपुरी, दिल्ली
श्रीमती सुनीता	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी), एंग्लो एरबिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अजमेरी गेट, दिल्ली

योगदानकर्ता

इशरा वसी	रिसोर्स पर्सन, एस. सी. ई. आर. टी, दिल्ली
कृतिका सिंह	रिसोर्स पर्सन, एस. सी. ई. आर. टी, दिल्ली

चित्रांकन

श्री पंकज तिवारी	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला) रा. स. शि. उ. मा. विद्यालय, भाटी मांइस, दिल्ली
श्री राहुल	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला), सलवान पब्लिक स्कूल, ट्रॉनिका सिटी

नोडल अधिकारी

डॉ. गौरव शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

डॉ. सोनू लाल गुप्ता
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

प्रकाशन अधिकारी : डॉ. मुकेश यादव, एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली
प्रकाशन दल : श्री नवीन कुमार, श्रीमती राधा, एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली
नेहा रिज़वाना, फौज़िया (रिसोर्स पर्सन) एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

अनुक्रमणिका

क्र.सं	गतिविधि–पत्रक	
1.	पक्षी	1
2.	सार्वजनिक जलस्थान	3
3.	मन की खुशी	5
4.	लेटर बॉक्स	7
5.	संचार के माध्यम	9
6.	उपसर्ग/प्रत्यय	12
7.	वसन्त ऋतु	14
8.	मुहावरे	16
9.	खेल	17
10.	लोकगीत	20
11.	परिश्रम	22
12.	पक्षियों की भाषा	24
13.	हिन्दी महीनों के नाम	27
14.	वर्ग पहेली	29
15.	पत्र लेखन	30
16.	मेट्रो रेल	32
17.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	34
18.	मध्याह्न भोजन	36
19.	गाँव–शहर	39
20.	एक साथ	42
21.	पानी	44
22.	पतंग	46
23.	साथी हाथ बढ़ाना	49
24.	आज़ादी	53
25.	रंगोली	56
26.	भारतीय वेशभूषा	58
27.	विराम चिन्ह	61
28.	हम तो चले घूमने	63

क्र.सं	गतिविधि–पत्रक	
29.	सिनेमा	66
30.	खिलखिलाती लड़कियाँ	69
31.	आनंद	72
32.	तरंग में राग	74
33.	नदियाँ	78
34.	साइकिल की सवारी	80
35.	राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान	82
36.	ओलंपिक खेल	85
37.	मॉर्निंग वॉक	89
38.	किसान	92
39.	कोरोना वायरस	96
40.	पर्यावरण	99
41.	स्वच्छ भारत	102
42.	गाँव	105
43.	अलादीन का चिराग	108
44.	विद्यालय	110

पक्षी

1

अभ्यास–1

आप अपने आसपास में कौन–कौन से पक्षी देखते हैं? उनके नाम लिखिए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–2

पक्षियों की बोलियों को उनके नाम के साथ मिलान कीजिए–

1.	कौआ	चीं चीं
2.	कबूतर	कुहु कुहु
3.	चिड़िया	टैं टैं
4.	मोर	काँव काँव
5.	तोता	गुटर गूँ

अभ्यास–3

मोर के बारे में कोई दो बातें लिखिए।

1. ....
2. ....

अभ्यास–4

निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. मोर ....
2. पेड़ ....

अभ्यास–5

कार्यपत्रक में दिए गए चित्र को देखकर पाँच वाक्य लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–6

घर की मुंडेर या छत पर आए पक्षी से आप क्या बातचीत करेंगे/करेंगी, लिखिए–

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं।

सार्वजनिक जलस्थान

2

अभ्यास–1

अनेकार्थी शब्द लिखिए–

जैसेः– कर → टैक्स (कर)
→ हाथ

1. जल → ____________ → ____________

2. वर → ____________ → ____________

3. कल → ____________ → ____________

4. मंगल → ____________ → ____________

अभ्यास–2

चित्र में दिए गए निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए।

1. प्रकृति ....

2. वरदान ....

3. जीवन ....

4. सफाई ....

5. सिंचाई ....

अभ्यास–3

चित्र में आपको क्या–क्या दिखाई दे रहा है ? पाँच पंक्तियों में लिखिए।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

अभ्यास–4

जल हमारे लिए क्यों उपयोगी है ? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

....

....

....

....

अभ्यास–5

पानी बचाने के लिए आप क्या–क्या कर सकते / सकती हैं ? चार–पाँच पक्तियों में लिखिए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–6

पानी बचाने का संदेश देते हुए एक स्लोगन तैयार कीजिए।

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल–

विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं।

मन की खुशी

3

एक दिन रानी विद्यालय जा रही थी। रास्ते में उसने देखा कि एक पक्षी घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। रानी को विद्यालय पहुँचने में देरी हो रही थी, लेकिन उसका मन उस पक्षी की दयनीय दशा पर ही टिका हुआ था। सोच–विचार करती हुई वह विद्यालय के मुख्य द्वार पर पहुँची परन्तु वहाँ से वह वापस लौट आई और घायल पक्षी के पास गई। उसने पक्षी को सड़क से उठाकर सुरक्षित स्थान पर रखकर पानी पिलाया। घाव को कपड़े से साफ किया। थोड़ी देर बाद वह उड़ने लायक स्थिति में हो गया। रानी के मन को बहुत तसल्ली हुई और वह पुनः विद्यालय की ओर चल पड़ी। पक्षी की सेवा करने के कारण वह देरी से विद्यालय पहुँची परन्तु मन से वह बहुत खुश थी कि उसके कारण किसी जीव का जीवन बच गया।

अभ्यास–1

आपके जीवन में भी कभी न कभी इस प्रकार की कोई घटना घटित हुई होगी। उसे व्यक्त करने का प्रयास कीजिए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–2

यदि आप रानी के स्थान पर होते तो क्या करते ? लिखिए।

....

....

....

....

अभ्यास–3

रानी की कौन–कौन सी बातें आपको पसंद आईं ? नीचे दिए गए स्थान पर लिखिए।

....

....

....

....

अभ्यास–4

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1.	रास्ता		
2.	पक्षी		
3.	पानी		
4.	दिन		

अधिगम प्रतिफल

हिंदी भाषा में विविध प्रकार की सामग्री (कहानी, समाचार) को समझकर, पढ़कर चर्चा करते हैं।

लेटर बॉक्स

4

लेटरबॉक्स में पड़ी हुई चिट्ठियाँ,
अनंत सुख–दुख वाली अनंत चिट्ठियाँ।
लेकिन कोई किसी से नहीं बोलती,
सभी अकेले–अकेले अपनी मंज़िल पर पहुँचने का इंतजार करती।
कैसा है यह एक साथ होना, दूसरे के साथ हँसना न रोना।
क्या हम भी लेटर बॉक्स की तरह हो गए हैं ?

– कवि 'रामदरश मिश्र'

अभ्यास–1

लेटर बॉक्स दो शब्दों से मिलकर बना है, लेटर + बॉक्स आप भी दो शब्दों से मिलकर बनने वाले नए शब्दों की सूची बनाइए–

जैसेः– पाठ + शाला = पाठशाला

1. .... + ... = ...
2. .... + ... = ...
3. .... + ... = ...
4. .... + ... = ...

अभ्यास–2

कुछ शब्द समान ध्वनि वाले होते हैं। जैसे – चिट्ठियाँ, पट्टियाँ, बत्तियाँ। आप भी नीचे दिए गए शब्दों के समान ध्वनि वाले शब्द लिखिए–

1. खाना ....
2. केला ....
3. हीरा ....
4. छोटा ....
5. खिड़की ....

अभ्यास–3

ऊपर दी गई कविता में आए कुछ शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

जैसेः– 1. सुख .... दुःख

2. हँसना .... [ ]

3. अंत .... [ ]

4. बोलना .... [ ]

अभ्यास–4

नीचे दिए गए शब्दों से एक–एक वाक्य बनाइए।

1. लेटर बॉक्स ....
2. चिट्ठियाँ ....
3. इंतजार ....
4. मंजिल ....
5. अकेले ....

अभ्यास–5

अगर चिट्ठियाँ आपस में बातें करती तो उनकी बातचीत क्या होती ? सोचकर लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–6

आप अपने मन की बातें किससे कहते हैं? अपना अनुभव लिखिए।

....

....

अधिगम प्रतिफल

हिंदी भाषा में विविध प्रकार की सामग्री (कविता, कहानी और समाचार को समझकर पढ़ते हैं।

संचार के माध्यम

5

अभ्यास–1

ऊपर गोले में संचार के माध्यम अर्थात समाचार एक स्थान से दूसरे पर भेजने के साधन दिए गए हैं। इनमें कुछ साधन बहुत पहले से ही प्रयोग में लाए जा रहे हैं। इन्हें परम्परागत साधन कहते हैं तथा जो अभी कुछ ही वर्षों से प्रयोग में लाए जा रहे हैं उन्हें आधुनिक संचार के साधन कहते हैं। आप परम्परागत व आधुनिक संचार माध्यमों की एक सूची बनाइए।

परम्परागत साधन	आधुनिक साधन
....	....
....	....
....	....
....	....

अभ्यास–2

आप इन संचार के माध्यमों में से कौन–कौन से साधन उपयोग में लाते हैं और क्यों ?

....

....

....

....

अभ्यास–3

कोरोना महामारी के समय में इन संचार के माध्यमों ने आपकी किस प्रकार सहायता की? लिखिए–

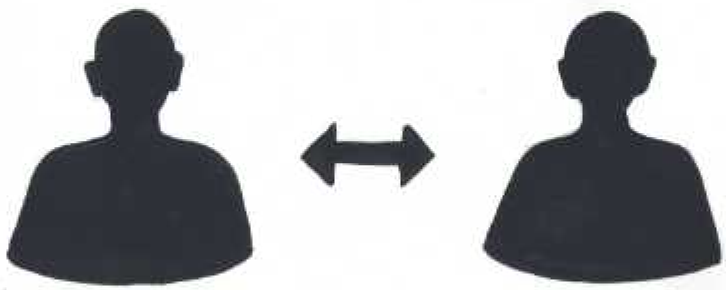

अभ्यास–4

अपने मनपसंद संचार के माध्यम का चित्र बनाकर उसकी दो खास बातें लिखिए।

अधिगम प्रतिफल

हिंदी भाषा में विविध प्रकार की सामग्री (कहानी, समाचार) को समझकर पढ़ते हैं।

उपसर्ग–प्रत्यय

6

अभ्यास–1

ऊपर दिए गए चित्र में कुछ शब्द लिखे गए हैं। इन शब्दों में 'अ' अथवा 'आ' जोड़कर नए शब्द बनाइए।

अ	आ
1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.

उपसर्ग– वे शब्दांश जो किसी शब्द के आगे जुड़कर उसका अर्थ बदल देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

जैसे :– प्र + हार = प्रहार   परा + जय = पराजय

अभ्यास–2

नीचे दिए गए शब्दों से उपसर्ग व मूल शब्द अलग कीजिए–

			उपसर्ग	मूलशब्द
1.	लोकप्रिय	–	....	....
2.	अप्रसन्न	–	....	....
3.	अभिमान	–	....	....
4.	प्रयोग	–	....	....
5.	अनुकूल	–	....	....

अभ्यास–3

निम्नलिखित शब्दों को पढ़े।

छल + इया = छलिया,

लूट + एरा = लुटेरा

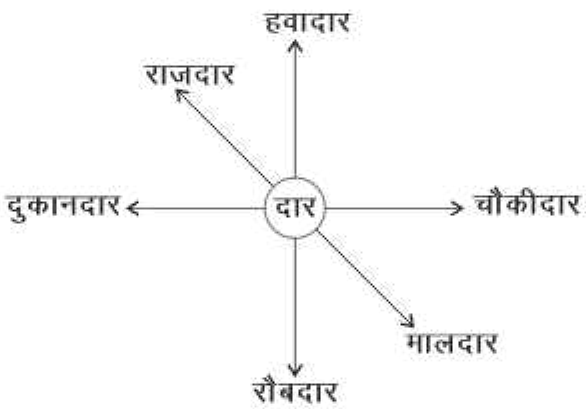

वे शब्दांश जो किसी शब्द के पीछे जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

❋ **आप भी इसी प्रकार नए शब्द बनाइए।**

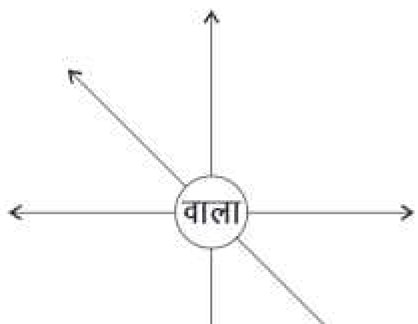

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों मुहावरों लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

वसन्त ऋतु

7

अभ्यास–1

नीचे दिए गए शब्दों का उचित मिलान कीजिए।

1. फूल	सुहावनी
2. पत्ते	हरी–भरी
3. प्रकृति	कोमल
4. ऋतु	हरे
5. होली	रंग–रंगोली

अभ्यास–2

निम्नलिखित शब्दों से एक–एक वाक्य बनाइए।

1. ऋतु – ....
2. होली – ....
3. फागुन – ....
4. वसन्त – ....
5. उमंग – ....

अभ्यास–3

वसन्त ऋतु आने पर प्रकृति में कौन–कौन से परिवर्तन दिखाई देने लगते हैं? बताइए।

....

....

....

....

अभ्यास–4

वसन्त ऋतु में होली का त्योहार मनाया जाता है। होली पर पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–5

नीचे कुछ त्योहारों के नाम दिए गए हैं, इन त्योहारों को मनाने से संबंधित सामानों की सूची बनाइए।

होली	–	रंग,	गुलाब,	पिचकारी
दीपावली	–	....	....	....
ईद	–	....	....	....

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

मुहावरे

8

'मुहावरा एक ऐसा वाक्यांश होता है, जो वाक्य की रचना करने पर अपना एक अलग अर्थ या विशेष अर्थ प्रकट करता है। इनका प्रयोग करने से भाषा आकर्षक, प्रभावपूर्ण तथा रोचक बन जाती है।

जैसे :– दिन गँवाना – समय नष्ट करना

टाँग अड़ाना – अड़चन डालना

ज़ख्म पर नमक छिड़कना – दुःखी या परेशान को और परेशान करना

अभ्यास–1

नीचे शरीर के कुछ अंगो के चित्र दिए गए हैं। उन चित्रों को देखकर चित्र से संबंधित एक मुहावरा प्रयोग करते हुए वाक्य लिखिए।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

अभ्यास–2

नीचे दिए गए मुहावरों को उनके अर्थों के साथ मिलान कीजिए।

1.	अंधे की लकड़ी	सबको समान देखना
2.	नौ दो ग्यारह होना	महामूर्ख
3.	अक्ल का अंधा	भेद खोलना
4.	एक आँख से देखना	भाग जाना
5.	कच्चा चिट्ठा खोलना	एकमात्र सहारा

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों मुहावरों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

खेल

9

रवि एक होनहार छात्र था। वह बचपन से पढ़ने के साथ–साथ खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करता था। जब तक वह माध्यमिक कक्षा में था तब तक उसके माता–पिता भी उसका खेल देखकर खुश होते थे। जब वह माध्यमिक स्तर से उच्च स्तर पर आया तो उसके माता पिता चाहने लगे कि रवि सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दे। उनका मानना था कि अगर रवि खेलने में अधिक ध्यान देगा तो जीवन में कुछ नहीं बन पाएगा। रवि ने अपने माता–पिता को बहुत समझाया कि पढ़ाई के साथ–साथ खेल का भी जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। रवि ने उनको अनेक खिलाड़ियों के बारे में बताया जैसे– सचिन तेन्दुलकर, मेजर ध्यान चंद, धनराज पिल्लै, महेन्द्र सिंह धोनी, साइना नेहवाल, सानिया मिर्ज़ा आदि। इन सभी ने खेल के माध्यम से कैसे जीवन में सफ़लता अर्जित की और अपने जीवन को महान बनाया।

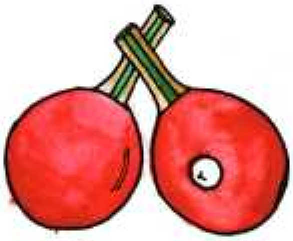

अभ्यास–1

खेल के क्षेत्र में योगदान देने वाले खिलाड़ियो के नाम लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–2

आपका पसंदीदा खेल कौन–सा है और क्यों?

....

....

....

....

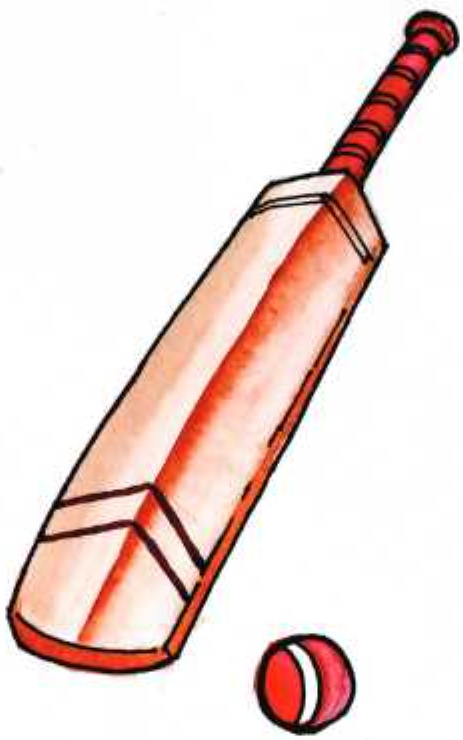

अभ्यास–3

अपनी पसंदीदा खेल–सामग्री की सूची चित्र सहित बनाइए।

....

....

....

....

....

....

अभ्यास–4

आपका मनपसंद खिलाड़ी कौन है ? उनकी पाँच विशेषताएँ लिखिए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–5

निम्नलिखित खेलों से संबंधित शब्दों की एक सूची बनाइए।

1. क्रिकेट ....
2. फुटबॉल ....
3. बैडमिन्टन ....
4. हॉकी ....

अधिगम प्रतिफल

कहानी, कविता आदि पढ़कर, लेखन के विविध तरीकों को पहचानते हैं।

लोकगीत

10

नन्ही.नन्हीं बुन्दियाँ रे, सावण का मेरा झूलणा
एक सुख देखा मैंने अम्मा के राज में, हाथों में गुड़िया रे,
सखियों का मेरा खेलणा
नन्ही.नन्हीं बुन्दियाँ रे....
एक सुख देखा मैंने भाभी के राज में, गोद में भतीजा रे,
गलियों का मेरा घूमणा
नन्ही.नन्हीं बुन्दियाँ रे....
एक सुख देखा मैंने, बहना के राज में
हाथों में कसीदा रे, फूलों का मेरा काढ़णा
नन्ही.नन्हीं बुन्दियाँ रे....

अभ्यास–1

झूला किस महीने में झूला जाता है ? आपने झूला कब और कहाँ झूला?

....

....

....

अभ्यास–2

ऊपर दिए गए लोकगीत में बालिका ने पहला व दूसरा सुख किस–किस के राज में देखा ? लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–3

इस लोकगीत में बालिका ने कौन–कौन से कार्य किए ? आपको घर या बाहर के कौन–कौन से कार्य करने में आनन्द आता है ?

अभ्यास–4

ऊपर दिए गए लोकगीत में कुछ क्षेत्रीय भाषा के शब्द आए हैं। नीचे ऐसे ही कुछ शब्द दिए गए हैं उनका हिन्दी रूप लिखिए–

1. झूलणा – झूला झूलना
2. सावण –
3. खेलणा –
4. बुंदियाँ –
5. घूमणा –

अभ्यास–5

आपकी मनपसंद ऋतु कौन–सी है तथा आप उस ऋतु का आनंद किस प्रकार लेते हैं ?

अधिगम प्रतिफल

अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते हैं।

परिश्रम

11

सविता रोज़ अपने पिता के साथ बाज़ार जाती है, उसके पिता जी बाज़ार में ठेला लगाते हैं। सविता अपने पिता के साथ खूब मेहनत करती है। उसकी स्कूली शिक्षा पूरी हो गई। घर से ही वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है। उसका एक छोटा भाई भी है जो घर के कार्यो में माँ की मदद करता है। उसे घर के दैनिक कार्य करने में बड़ा आनंद आता है जैसे झाड़ू लगाना, कपड़े सुखाना, बाज़ार से घर का सामान लाना आदि। खाना बनाने में भी वह माँ की मदद करता है। परिवार के सभी लोग एक दूसरे का सहयोग करते हैं। सविता बड़ी होकर एक सफल व्यवसायी व उसका भाई शेफ़ (खाना बनाने वाला) बनना चाहता है।

अभ्यास–1

सविता व उसका भाई अपने माता–पिता की किस प्रकार सहायता करते हैं?

अभ्यास–2

सविता व उसका छोटा भाई बड़े होकर क्या–क्या बनना चाहते हैं?

अभ्यास–3

आप अपने घर में किन–किन कार्यों में माता पिता की मदद करते हैं?

....

....

....

....

अभ्यास–4

आप बड़े होकर क्या बनना चाहते / चाहती हैं? लिखिए।

....

....

....

....

अभ्यास–5

आप अपने घर के सदस्यों की एक सूची तैयार कीजिए तथा उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों को लिखिए।

घर के सदस्य	कार्य
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	

अधिगम प्रतिफल

पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

पक्षियों की भाषा

12

अभ्यास–1

चित्र देखकर मिलान कीजिए।

चित्र	नाम
1.	चीता
2.	भेड़िया
3.	ज़ेब्रा
4.	जिराफ
5.	शेर

अभ्यास–2

मेंढक	बिल्ली	घोड़ा	गाय	चिड़िया
तोता	कबूतर	कौआ	मोर	हाथी

उपर्युक्त सूची में से उपयुक्त शब्द छाँटकर भरिए–

पशु–पक्षियों की आवाज **पशु–पक्षियों के नाम**

1. टर्र – टर्र ....
2. गुटर गूं – गुटर गूं ....
3. पीऊ–पीऊ ....
4. में–में ....
5. काँव काँव ....
6. हिनहिनाना ....
7. रम्भाना ....
8. चिंघाड़ना ....
9. बोलना ....
10. चहचहाना ....

अभ्यास–3

निम्न शब्दों के वचन बदलिए–

एकवचन **बहुवचन**

1. बकरी ....
2. शेर ....
3. कुत्ता ....
4. भैंस ....
5. घोड़ा ....
6. गाय ....
7. बतख ....
8. मुर्गी ....
9. कौआ ....
10. मक्खी ....

अभ्यास–4

आपके आस–पास कौन–कौन से पक्षी एवं पशु दिखाई देते हैं? उनके नाम लिखकर सूची बनाइए।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

अभ्यास–5

निम्न शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

1. हाथी ....
2. कुत्ता ....
3. ऊँट ....
4. शेर ....
5. मोर ....
6. भैंस ....
7. घोड़ा ....

अभ्यास–6

नीचे दिए गई तालिका से देखकर शब्द सही जगह पर लिखिए –

मेमना	पिल्ला	बछड़ा	चूज़ा	कटरा

1. मुर्गी ☐
2. भेड़ ☐
3. कुत्ता ☐
4. गाय ☐
5. भैंस ☐

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न प्रकार की सामगी जैसे कहानी, कविता, लेख, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अनुमान लगाते हैं।

हिंदी महीनों के नाम

13

पौष	JANUARY	2021	माघ			
रविवार Sunday	सोमवार Monday	मंगलवार Tuesday	बुधवार Wednesday	बृहस्पतिवार Thursday	शुक्रवार Friday	शनिवार Saturday
31 पूर्व फाल्गुनी Ganesh Chaturthi		ॐ भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्॥			1 New Year's Day Today temple is open 9am-7pm Dwitiya	2 गणेश चतुर्थी Tritiya Ganesh Chaturthi
3 मघा Panchami	4 पूर्व फाल्गुनी Shashthi	5 उत्तर फाल्गुनी Saptami	6 हस्त Ashtami	7 चित्रा Navami	8 स्वाति Dashami	9 एकादशी विशाखा Safala Ekadashi
10 प्रदोष व्रत अनुराधा Dwadashi	11 ज्येष्ठा Triyodashi	12 मूल Chaturdashi	13 अमावस्या लोहड़ी LOHRI	14 पौष शुक्ल MAKAR SANKRANTI संक्रांति	15 धनिष्ठा Panchak Begin Dwitiya	16 शतभिषा Tritiya
17 गणेश चतुर्थी Ganesh Chaturthi	18 Panchami पूर्वभद्रपद MARTIN LUTHER KIND JR DAY	19 उत्तरभाद्रपदा Shashthi	20 रेवती Guru Govind Singh Jy Saptami	21 अश्विनी Ashtami	22 भरणी Navami	23 कृत्तिका Dashami
24 एकादशी Putrada Ekadashi	25 मृगशीर्ष Dwadashi	26 प्रदोष व्रत Pradosh India Republic Day	27 पुनर्वसु Chaturdashi	28 पूर्णमासी FULL MOON	29 आश्लेषा Magh Krishna	30 मघा Dwitiya/ Tritiya

अभ्यास–1

क्रम सं.	अंग्रेजी महीने	हिंदी महीने
		माघ
		फाल्गुन
		चैत्र
		बैशाख
		ज्येष्ठ
		आषाढ़
		श्रावण
		भाद्रपद
		आश्विन
		कार्तिक
		मार्गशीर्ष
		पौष

अभ्यास–2

अपने परिवार के सदस्यों के नाम लिखते हुए उनकी जन्मतिथि तथा जन्म का महीना दी गई सूची के आधार पर लिखिए।

क्रम सं.	सदस्य का नाम	जन्म तिथि	हिन्दी का महीना

अभ्यास–3

नीचे कुछ त्योहारों के नाम दिए गए हैं, ये त्योहार कौन–कौन से महीने में मनाए जाते हैं?

क्रम सं.	त्योहार	हिन्दी का महीना
1.	गुरू नानक जयंती	
2.	होली	
3.	रक्षाबन्धन	
4.	दीपावली	
5.	बुद्ध पूर्णिमा	
6.	जन्माष्टमी	

अभ्यास–4

दिए गए चित्र में ऋतुओं के नाम दिए गए हैं, आप ऋतुओं में अलग–अलग रंग भरिए।

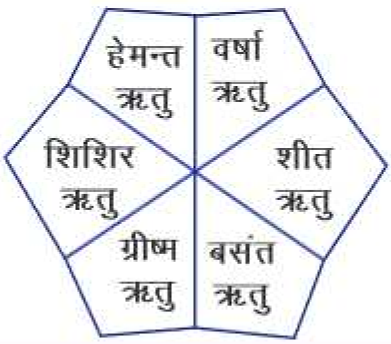

अधिगम प्रतिफल

पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

वर्ग पहेली

14

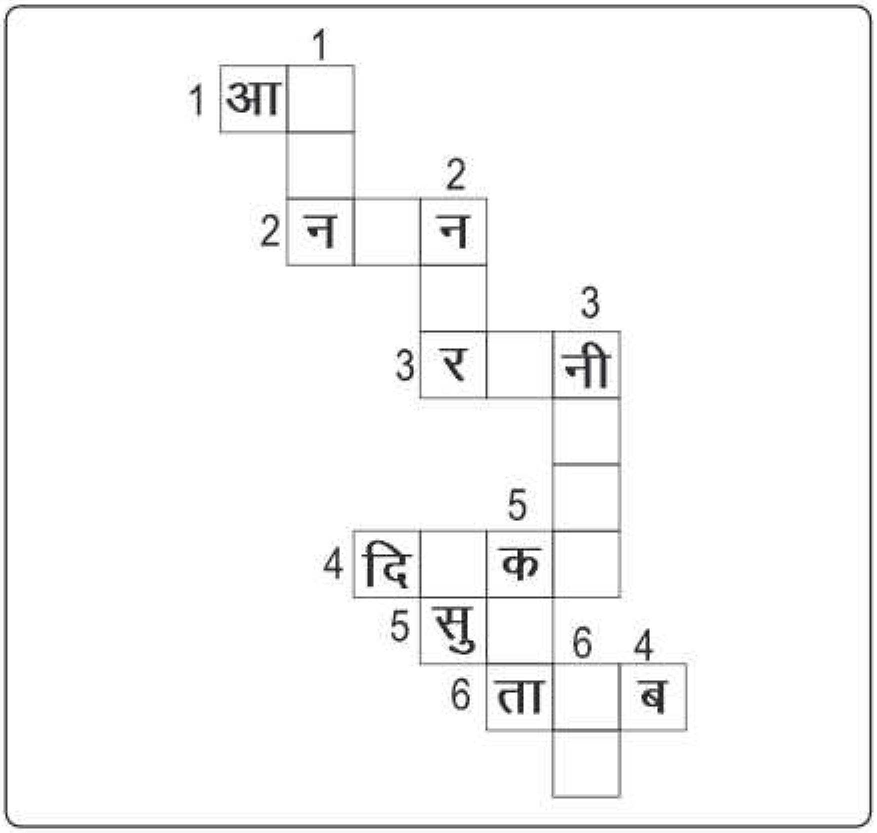

नीचे दिए गए निर्देशानुसार वर्ग पहेली को पूरा कीजिए।

बाएँ से दाएँ

1. अग्नि का पर्यायवाची (दो)
2. आँख का पर्यायवाची (तीन)
3. रात्रि का पर्यायवाची (तीन)
4. सूर्य का पर्यायवाची (चार)
5. देवता का पर्यायवाची (दो)
6. सरोवर का पर्यायवाची (तीन)

ऊपर से नीचे

1. आसमान का पर्यायवाची (तीन)
2. शहर का पर्यायवाची (तीन)
3. बादल का पर्यायवाची (चार)
4. शक्ति का पर्यायवाची (दो)
5. श्वान का पर्यायवाची (चार)
6. बेटा का पर्यायवाची (दो)

अधिगम प्रतिफल

हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री को समझते, पढ़ते व लिखते हैं।

पत्र-लेखन

15

पत्र लेखन से पूर्व निर्देशः–

1. पत्र एक स्थान से दूसरे स्थान पर संदेश (समाचार) भेजने का माध्यम होते हैं।
2. पत्र दो प्रकार के होते हैं–**(i) औपचारिक पत्र** **(ii) अनौपचारिक पत्र**
3. पत्र की भाषा स्पष्ट व सरल होनी चाहिए।
4. पत्र का आरम्भ व अन्त प्रभावशाली होना चाहिए।
5. औपचारिक पत्र सरकारी व गैर सरकारी (प्राइवेट) व अर्द्ध–सरकारी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को लिखे जाते हैं।
6. अनौपचारिक पत्रों में मन की भावनाओं को प्रमुखता दी जाती है। ये पत्र अपने रक्त संबंध रखने वाले, सगे– संबंधी, रिश्तेदार, जानकार तथा मित्रों को लिखे जाते हैं।

अनौपचारिक पत्र

प्रेषक (पत्र भेजने वाले) का पता

....

....

दिनांक :–

सम्बोधन (जैसे – प्रिय मित्र, पूजनीय पिताजी)..

अभिवादन (जैसे – सादर प्रणाम, नमस्ते, नमस्कार)..

पहला अनुच्छेद..(कुशलक्षेम पूछना)....................................

दूसरा अनुच्छेद.................................... (जिस विषय पर पत्र लिखा जा रहा है, उसे बताना।)..............

तीसरा अनुच्छेद.......................(समाप्ति)

पत्र प्राप्त करने वाले के साथ प्रेषक का संबंध (जैसे आपका मित्र, आपका पुत्र)..

प्रेषक का नाम... ।

अभ्यास–1

पत्र क्यों लिखे जाते हैं? आपने अभी तक किस को पत्र लिखा है?

अभ्यास–2

औपचारिक पत्र व अनौपचारिक पत्र में क्या अन्तर होता है? लिखिए–

औपचारिक पत्र	अनौपचारिक पत्र

अभ्यास–3

कोरोना महामारी के दौरान आपने घर में रहते हुए किस प्रकार समय का सदुपयोग किया? यह बताते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं तथा अपनें विचार व्यक्त करते हैं।

मेट्रो रेल

16

एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने जाने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले साधनों को यातायात के साधन कहते हैं।

अभ्यास–1

ऊपर दिये गये चित्र में किस साधन को दर्शाया गया है? आपने कौन–कौन से साधनों का उपयोग किया है?

....

....

....

अभ्यास–2

ऊपर अंकित चित्र में जो कुछ भी आपको दिखाई दे रहा है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–3

आपने भी मेट्रो रेल में यात्रा की होगी। अपनी यात्रा में आपने जो कुछ भी देखा व महसूस किया उसका वर्णन कीजिए।

अभ्यास–4

एक से दूसरे स्टेशन के बीच यात्रा के दौरान आपको बाहर क्या–क्या दिखाई दिया?

अभ्यास–5

मेट्रो के पिलर (खंभे) हमारे क्या–क्या काम आते हैं ? बताइए।

अभ्यास–6

मेट्रो में जो उद्घोषणा (अनाउन्समेंट) होती हैं, उसे लिखिए व बोलने का प्रयास कीजिए।

अधिगम प्रतिफल

पढ़कर अपरिचित घटनाओं की कल्पना करते हुए उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों को मौखिक या लिखित रूप में बताते हैं।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 17

हिंदी भाषा में अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर सकते हैं अर्थात् कई शब्दों की जगह पर एक शब्द बोलकर भाषा को प्रभावशाली बनाया जा सकता है। अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करके वाक्य के भाव का पता लगाया जा सकता है –

जैसे : काम से जी चुराने वाला	कामचोर
जिसका मूल्य न हो	अमूल्य

अभ्यास–1

नीचे दिए गए अनेक शब्दों तथा एक शब्द के बीच रेखा (लाइन) से मिलान कीजिए–

1.	नगर में रहने वाला	साक्षर
2.	जो अक्षर पढ़ना लिखना जानता हो	नागरिक
3.	जिसके आने की तिथि निश्चित न हो	निराकार
4.	जो चक्र धारण करता हो	निस्संदेह
5.	जिसमें कोई संदेह न हो	अतिथि
6.	जो ग्राम में रहता हो	चक्रधर
7.	जिसका आकार न हो	ग्रामीण

अभ्यास–2

अनेक शब्दों के लिए सही शब्द पर निशान लगाओ (✔)

1.	ग्रंथ लिखने वाला	( )	(कलाकार, ग्रंथकार, चित्रकार)
2.	बीता हुआ समय	( )	(वर्तमान, भूतकाल भविष्यकाल)
3.	जीवनभर	( )	(आमरण, आजीवन, आजन्म)
4.	रचना करने वाला	( )	(रचयिता, शरणागत, लेखक)
5.	वर्ष में एक बार होने वाला	( )	(साप्ताहिक, वार्षिक, पाक्षिक)

अभ्यास–3

नीचे दी गई तालिका से अनेक शब्दों के लिए एक उपयुक्त शब्द छाँटकर लिखिए–

विधवा	गोपनीय	दुर्गम	चतुर्भुज	अल्पाहारी	अदृश्य

1. जिसकी चार भुजाएँ हो – ______
2. जो कम खाता हो – ______
3. जो दिखाई न दे – ______
4. जिसका पति मर गया हो – ______
5. जहाँ आना जाना आसान न हो – ______
6. जिसे गुप्त रखा जाए – ______

अभ्यास–4

निम्नलिखित शब्दों को विस्तारपूर्वक लिखिए–

1. सप्ताह ....
2. निर्दयी ....
3. अनाथ ....
4. मनिहार ....
5. पुरवाई ....

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

मध्याह्न भोजन

18

आपको अपने विद्यालय में मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) के रूप में अलग–अलग व्यंजन परोसे जाते हैं जिनकी सूची निम्नलिखित है–

दिन	व्यंजन
सोमवार	चावल + छोले
मंगलवार	आलू सब्जी + पूरी
बुधवार	कढ़ी + चावल
गुरुवार	छोले + पूरी
शुक्रवार	चावल + दाल
शनिवार	वेज दलिया

अभ्यास–1

ऊपर दी गयी सूची में से कौन–कौन से दिनों में परोसे जाने वाले व्यंजन आपको सर्वाधिक पसंद हैं और क्यों ?

....

....

....

....

....

....

....

....

अभ्यास–2

आपको सर्वाधिक पसंद आने वाले व्यंजनों को बनाने के लिए कौन–कौन सी खाद्य–सामग्री की आवश्यकता होती है? उसकी एक सूची बनाइए।

व्यंजन	खाद्य सामग्री

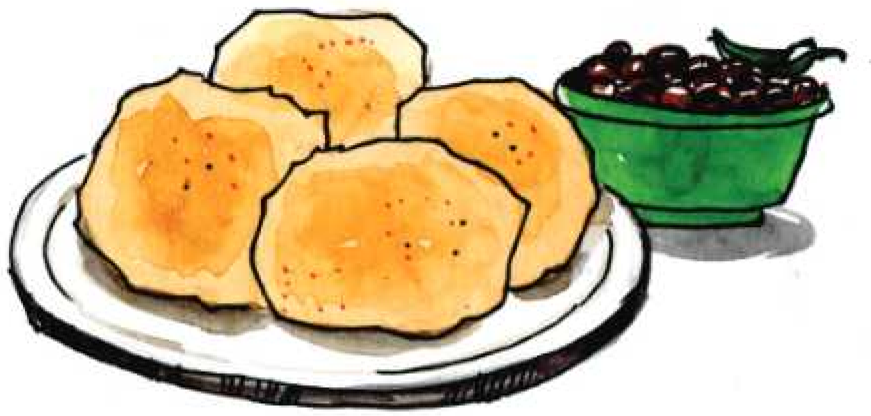

अभ्यास–3

विद्यालय में आपके मित्र कौन–कौन से व्यंजन (भोजन) टिफिन में घर से लाते हैं? लिखिए –

अभ्यास–4

आपके पसंदीदा व्यंजन का नाम लिखते हुए उसे बनाने की विधि परिवार के किसी सदस्य से पूछकर लिखिए –

अधिगम प्रतिफल–

अपने अनुभवों को अपनी भाषा–शैली में लिखते हैं।

गाँव-शहर

19

तेरी बुराईयों को हर अख़बार कहता है,
और तू मेरे गाँव को गँवार कहता है।

ऐ शहर मुझे तेरी औकात पता है,
तू चुल्लू भर पानी को भी वॉटरपार्क कहता है।

थक गया है हर शख़्स काम करते–करते,
तू इसे अमीरी का बाज़ार कहता है।

गाँव चलो वक्त ही वक्त है सब के पास,
तेरी सारी फ़ुर्सत तेरा इतवार कहता है।

बड़े–बड़े मसले हल करती थी तेरी पंचायतें,
तू अंधी भ्रष्ट दलीलों को दरबार कहता है।

अब बच्चे भी बड़ों का अदब भूल बैठे हैं,
तू इस नए दौर को संस्कार कहता है।

– हरेंद्र सिंह

अभ्यास–1

ऊपर दी गई कविता में गाँवों को क्या कहा गया है?

....

....

....

अभ्यास–2

गाँवों और शहरों के लोगों को फुर्सत कब–कब रहती हैं?

....

....

....

अभ्यास–3

उपर्युक्त कविता में गाँव एवं शहरों में अंतर बताए गए हैं, उन्हें लिखिए।

....

....

....

गाँव	शहर

अभ्यास–4

आपको गाँव एवं शहर में से क्या अच्छा लगता है और क्यों ?

....

....

....

अभ्यास–5

ग्रामीण परिवेश का एक सुंदर चित्र बनाइए।

अभ्यास–6

गाँवों में निर्णय पंचायत करती है। अपने अध्यापक से पंच परमेश्वर कहानी सुनकर अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं व अपने विचार व्यक्त करते हैं।

एक साथ

20

बाधाएँ आती हैं, आएँ,
घिरे प्रलय की घोर घटाएँ
पाँवों के नीचे अंगारे,
सर पर बरसे यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों से हँसते–हँसते,
आग लगाकर जलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।

अभ्यास–1

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ मंजूषा से छाँटकर लिखिए।

मंजूषा

अपना , अत्यधिक , मुश्किल , लपटें , बादल

	शब्द	अर्थ
1.	बाधाएँ	____________
2.	घोर	____________
3.	घटाएँ	____________
4.	ज्वाला	____________
5.	निज	____________

अभ्यास–2

निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए –

एकवचन	बहुवचन
1. बाधा	बाधाएँ
2. घटा	
3. ज्वाला	
4. ऋतु	
5. वस्तु	
6. धातु	

अभ्यास–3

निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
1. बलीदान	
2. परिक्षा	
3. कवियत्री	
4. पुस्तकलय	
5. आर्शीवाद	

अभ्यास–4

प्यारे बच्चों आपके जीवन में बाधाएँ, परेशानियाँ आई होंगी, ऐसी ही किसी एक घटना का वर्णन करते हुए बताइए कि आपने उन बाधाओं, परेशानियों का सामना कैसे किया ?

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं व अपने विचार व्यक्त करते हैं।

पानी

21

पानी है उपयोगी कितना,
हम बचाएँ इसको जितना।
पशु–पक्षी मानव जीवन का,
आधार है सबके जीवन का।
हरे–भरे खेत खलिहान,
बाग–बगीचे नौनिहाल।
पानी सब का पालनहार,
ये है जीवन का वरदान।
वर्षा जल को हम सहेजें
बूंद–बूंद को ध्यान से बरतें
तभी बचेगा धरती पर जल,
आने वाला न मुश्किल हो कल।
खूब लगाएँ पेड़ हम सब,
प्रकृति रहेगी हरी–भरी तब।
उज्ज्वल होगा भविष्य हमारा,
इसे न भूले ये जग सारा।

अभ्यास–1

पानी प्राप्त करने के स्त्रोत (साधन) कौन–कौन से हैं? लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–2

प्रतिदिन हम पानी को किस–किस उपयोग में लाते हैं? लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–3

पानी की बर्बादी होते हुए आप कहाँ–कहाँ देखते हैं?

....

....

....

अभ्यास–4

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनसे वाक्य बनाइए–

1. उज्जवल ....
2. प्रकृति ....
3. वरदान ....
4. खलिहान ....
5. बूंद–बूंद ....

अभ्यास–5

'जल ही जीवन है' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं व अपने विचार व्यक्त करते हैं।

पतंग

22

**धातु युक्त मांझे से
पतंग उड़ाना सुरक्षा की दृष्टि से
खतरनाक है तथा एक दंडनीय अपराध भी है।**

अभ्यास–1

ऊपर दिए गए चित्र को देखकर आपके मन में कौन–कौन से विचार आ रहे हैं ?

अभ्यास–2

हमारे देश में पतंगें किन–किन अवसरों पर उड़ाई जाती हैं और क्यों ?

अभ्यास–3

आपने भी पतंगें उड़ाई होंगी। पतंग उड़ाने में कौन – कौन आपकी सहायता करते हैं व कैसे ?

अभ्यास–4

ऊपर दिए गए चित्र में मांझे से होने वाले कौन–कौन से खतरों को बताया गया है?

अभ्यास–5

पतंग उड़ाते समय क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए?

अभ्यास–6

एक सुन्दर पतंग का चित्र बनाकर उसमें अपने पसंदीदा रंग भरिए।

अधिगम प्रतिफल

अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

साथी हाथ बढ़ाना

23

अभ्यास–1

'साथी हाथ बढ़ाना' ये गीत आपने सुना होगा। इस गीत की पंक्तियों को पूरा कीजिए।

साथी हाथ बढ़ाना

....

....

....

....

....

....

अभ्यास–2

आपने अपने साथी की मदद किस प्रकार की है? अपना अनुभव लिखिए।

अभ्यास–3

कोरोना महामारी में आप घर में एवं घर के बाहर किस प्रकार की सावधानियाँ रखते हैं ?

घर में	घर के बाहर

अभ्यास–4

हमारे देश में 'मिशन इन्द्रधनुष' के अन्तर्गत जन्म से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों को कई प्रकार के टीके लगाए जाते हैं। आपको बचपन से अभी तक कौन–कौन से टीके लगे हैं, उनकी सूची माता–पिता से पूछकर बनाइए।

क्रम सं.	टीके का नाम

अभ्यास–5

कोविड–19 का टीका लगवाने के लिए आप दूसरों को कैसे प्रेरित करेंगे ? लिखिए।

अभ्यास–6

टीकाकरण अभियान एवं सुरक्षा के प्रति सचेत करते हुए एक पोस्टर बनाइए।

....

....

....

....

....

....

पोस्टर

अधिगम प्रतिफल

विभिन्न स्थानीय सामाजिक एंव प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं।

आज़ादी

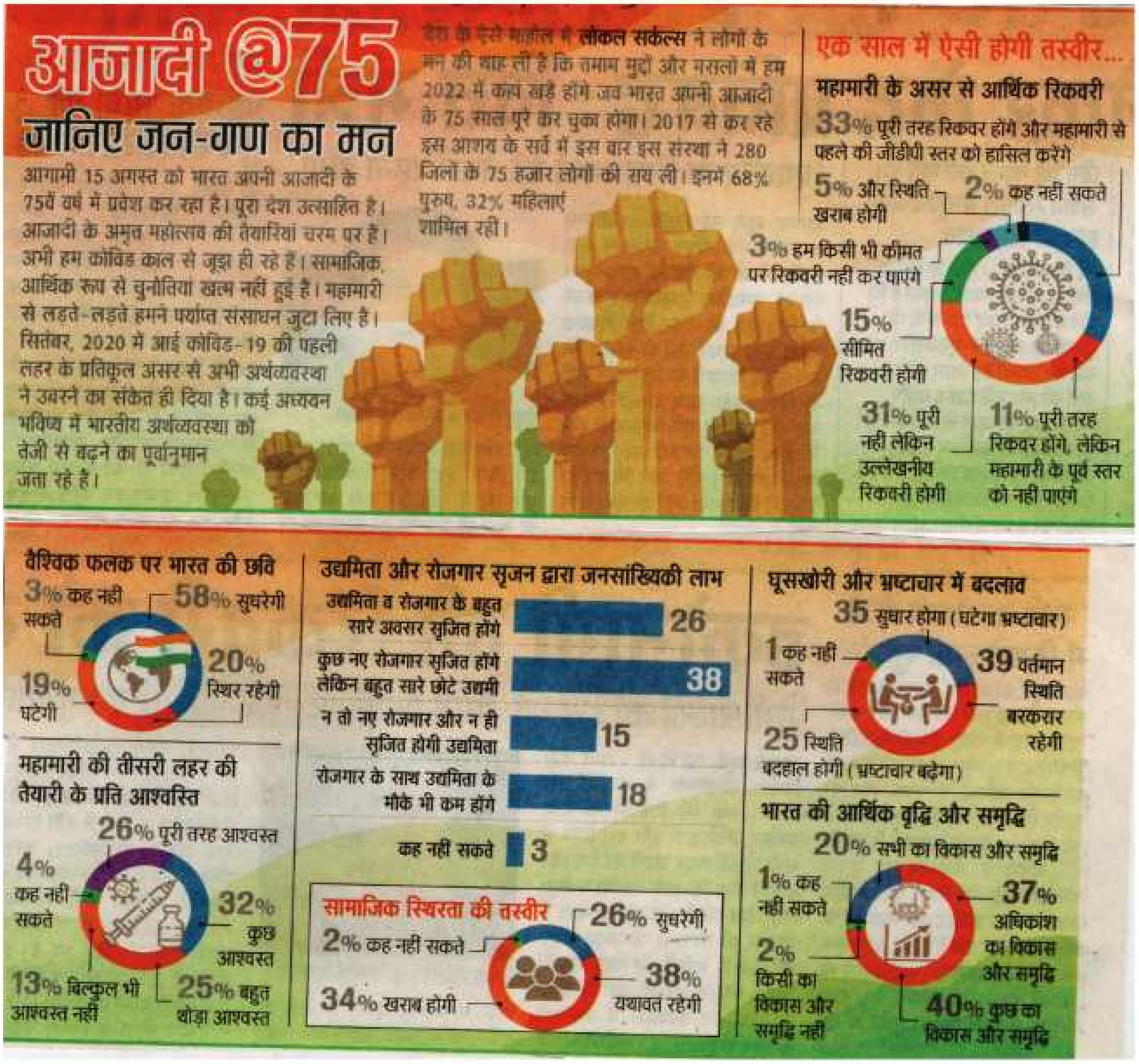

आजादी @75
जानिए जन-गण का मन

आगामी 15 अगस्त को भारत अपनी आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। पूरा देश उत्साहित है। आजादी के अमृत महोत्सव की तैयारियां चरम पर हैं। अभी हम कोविड काल से जूझ ही रहे हैं। सामाजिक, आर्थिक रूप से चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं। महामारी से लड़ते-लड़ते हमने पर्याप्त संसाधन जुटा लिए हैं। सितंबर, 2020 में आई कोविड-19 की पहली लहर के प्रतिकूल असर से अभी अर्थव्यवस्था ने उबरने का संकेत ही दिया है। कई अध्ययन भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने का पूर्वानुमान जता रहे हैं।

देश के ऐसे माहौल में **लोकल सर्कल्स** ने लोगों के मन की थाह ली है कि तमाम मुद्दों और मसलों में हम 2022 में कहां खड़े होंगे जब भारत अपनी आजादी के 75 साल पूरे कर चुका होगा। 2017 से कर रहे इस आशय के सर्वे में इस बार इस संस्था ने 280 जिलों के 75 हजार लोगों की राय ली। इनमें 68% पुरुष, 32% महिलाएं शामिल रहीं।

एक साल में ऐसी होगी तस्वीर...

महामारी के असर से आर्थिक रिकवरी

- 33% पूरी तरह रिकवर होंगे और महामारी से पहले की जीडीपी स्तर को हासिल करेंगे
- 5% और स्थिति खराब होगी
- 2% कह नहीं सकते
- 3% हम किसी भी कीमत पर रिकवरी नहीं कर पाएंगे
- 15% सीमित रिकवरी होगी
- 31% पूरी नहीं लेकिन उल्लेखनीय रिकवरी होगी
- 11% पूरी तरह रिकवर होंगे, लेकिन महामारी के पूर्व स्तर को नहीं पाएंगे

वैश्विक फलक पर भारत की छवि

- 3% कह नहीं सकते
- 58% सुधरेगी
- 20% स्थिर रहेगी
- 19% घटेगी

महामारी की तीसरी लहर की तैयारी के प्रति आश्वस्ति

- 26% पूरी तरह आश्वस्त
- 4% कह नहीं सकते
- 32% कुछ आश्वस्त
- 13% बिल्कुल भी आश्वस्त नहीं
- 25% बहुत थोड़ा आश्वस्त

उद्यमिता और रोजगार सृजन द्वारा जनसांख्यिकी लाभ

उद्यमिता व रोजगार के बहुत सारे अवसर सृजित होंगे	26
कुछ नए रोजगार सृजित होंगे लेकिन बहुत सारे छोटे उद्यमी	38
न तो नए रोजगार और न ही सृजित होंगी उद्यमिता	15
रोजगार के साथ उद्यमिता के मौके भी कम होंगे	18
कह नहीं सकते	3

सामाजिक स्थिरता की तस्वीर

- 2% कह नहीं सकते
- 26% सुधरेगी
- 38% यथावत रहेगी
- 34% खराब होगी

घूसखोरी और भ्रष्टाचार में बदलाव

- 35 सुधार होगा (घटेगा भ्रष्टाचार)
- 1 कह नहीं सकते
- 39 वर्तमान स्थिति बरकरार रहेगी
- 25 स्थिति बदहाल होगी (भ्रष्टाचार बढ़ेगा)

भारत की आर्थिक वृद्धि और समृद्धि

- 20% सभी का विकास और समृद्धि
- 1% कह नहीं सकते
- 37% अधिकांश का विकास और समृद्धि
- 2% किसी का विकास और समृद्धि नहीं
- 40% कुछ का विकास और समृद्धि

हम सभी आज़ादी के 75 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। कोरोना महामारी अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। तीसरी लहर की सम्भावना जताई जा रही है। ऊपर जो लेख दिया गया है, उसमें महामारी के असर पर सर्वे किया गया तथा एक साल बाद भारत की विभिन्न स्तरों पर क्या तस्वीर होगी, इसे प्रस्तुत किया गया है।

अभ्यास–1

ऊपर दिए गए लेख को पढ़ते हुए "कितने प्रतिशत लोग कहते हैं" प्रश्नों की सटीक जानकारी दीजिए–

1. कितने प्रतिशत लोग कहते हैं कि सामाजिक स्थिरता की तस्वीर सुधरेगी ?
2. कितने प्रतिशत लोग कहते हैं कि सामाजिक स्थिरता की तस्वीर यथावत रहेगी ?
3. कितने प्रतिशत लोग कहते हैं कि घूसखोरी एवं भ्रष्टाचार में सुधार होगा ?
4. कितने प्रतिशत लोग कहते हैं कि अधिकांश लोगों का विकास एवं समृद्धि होगी ?
5. कितने प्रतिशत लोग कहते हैं कि कुछ का विकास एवं समृद्धि होगी ?
6. कितने प्रतिशत लोग कहते हैं कि रोजगार के साथ उद्यमिता के मौके कम होंगे ?
7. कितने प्रतिशत लोग कहते हैं कि तीसरी लहर की तैयारी के प्रति पूरी तरह आश्वस्त हैं ?
8. कितने प्रतिशत लोग मानते हैं कि घूसखोरी एवं भ्रष्टाचार की वर्तमान स्थिति बरक़रार रहेगी ?

अभ्यास–2

आपने आज़ादी के 75 वें स्वतंत्रता दिवस को किस प्रकार मनाया ?

....

....

....

....

....

....

अभ्यास–3

हमारे देश को आज़ाद करवाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखते हुए किसी एक का चित्र बनाकर रंग भरिए।

अभ्यास–4

अपने विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए एक सुंदर चित्र बनाइए।

अधिगम प्रतिफल

पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं।

रंगोली

25

अभ्यास–1

ऊपर दिया गया चित्र एक रंगोली है। इसे बनाने के लिए उपयोग में लाई गई सामग्री की सूची बनाइए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–2

रंगोली किन–किन अवसरों व त्योहारों पर बनाई जाती है ?

अभ्यास–3

आपने विद्यालय या घर में किसी न किसी अवसर पर रंगोली जरूर देखी होगी। उस रंगोली के बारे में अपने अनुभव लिखिए।

अभ्यास–4

क्या आपने कभी रंगोली बनाई है? अगर हाँ तो उसमे प्रयोग की गई सामग्री के बारे में लिखिए।

अभ्यास–5

अपनी पसंद के अनुसार एक रंगोली का चित्र बनाकर उसमें रंग भरिए।

अधिगम प्रतिफल

विविध कलाओं जैसे हस्तकला, वास्तुकला इनमे प्रयोग होने वाली भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।

भारतीय वेशभूषा

26

हमारा देश भारत विभिन्नताओं में एकता का देश है। यहाँ पर अनेक जाति, धर्म, समुदाय व भाषाओं को बोलने वाले लोग रहते हैं। हमारे देश के अलग–अलग राज्यों में वेशभूषा (पहनावा), खान–पान, रंग–रूप व बोलियाँ भी अलग–अलग हैं। विभिन्नताएँ होते हुए भी हम सब भारतीय हैं। हमारी पहचान भारत से है। हमारे समान अधिकार व कर्त्तव्य हैं। यह हमारी प्राचीन विरासत को भी दर्शाता है। अतः भारत को अनेकता में एकता का देश भी कहा जाता है।

अभ्यास–1

हमारे देश में कौन–कौन सी विभिन्नताएँ व समानताएँ हैं? उनकी सूची बनाइए–

समानताएँ	विभिन्नताएँ

अभ्यास–2

पगड़ी भारत के किन–किन राज्यों में पहनी जाती है ?

....

....

....

....

अभ्यास–3

दक्षिण भारत के राज्यों में (तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल आदि) पुरुषों का क्या पहनावा है? लिखिए।

....

....

....

....

अभ्यास–4

किन्ही पाँच राज्यों के नाम लिखते हुए नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए।

क्रम सं.	राज्य	पोशाक	खानपान	त्योहार
1				
2				
3				
4				
5				

अभ्यास–5

आपको कौन–सा पहनावा (ड्रेस) पसंद है और क्यों ?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री को समझते, पढ़ते व लिखते हैं।

विराम चिह्न 27

विराम का अर्थ होता है ''ठहरना या रुकना'' अपनी बातों को स्पष्ट रूप से बताने के लिए हम बीच–बीच में कई बार रुकते हैं और वाक्य की समाप्ति पर हम पूरी तरह ठहर जाते हैं। इस रुकने व ठहरने को विराम कहते हैं। लिखित भाषा में प्रयोग किए जाने वाले चिह्नों को विराम कहते हैं। विराम चिन्ह् का बहुत बड़ा महत्व हैं। अगर सही विराम चिह्न का इस्तेमाल न हो तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

हिंदी भाषा में निम्नलिखित चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।

विराम चिह्न का नाम	चिह्न	विराम चिह्न का नाम	चिहन
पूर्ण विराम	।	अवतरण चिह्न	"............"
अर्द्ध विराम	;	विस्मयादि बोधक चिह्न	!
अल्प विराम	,	लाघव चिह्न	०
उप विराम	:	विवरण चिह्न	:–
प्रश्नवाचक चिह्न	?	विस्मरण चिह्न	^
योजक चिह्न	-		
कोष्ठक चिह्न	( )		

अभ्यास–1

मिलान कीजिए।

1. प्रश्नवाचक चिह्न ,
2. योजक चिह्न ( )
3. पूर्ण विराम ?
4. कोष्ठक चिह्न -
5. अल्प विराम ।

अभ्यास–2

नीचे दिए गए गद्यांश में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए फिर से लिखिए।

मैंने कहा था कि वहाँ मत जाना पर सुरेश नहीं माना इसलिए वह परेशान था बड़ों का कहना मानना अच्छी बात है।

....

....

....

....

अभ्यास–2

निम्नलिखित वाक्यों में विराम चिह्न का उचित प्रयोग कीजिए।

1. तिलक जी ने कहा स्वतन्त्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है

....

....

2. राम मेरे लिए क्या आज्ञा है

....

....

3. सलमा पुस्तक पढ़ती है

....

....

4. वह माता–पिता के साथ रहती है

....

....

5. वाह मज़ा आ गया

....

....

अधिगम प्रतिफल

भाषा की बारीकियों या व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं।

हम तो चले घूमने

28

अभ्यास–1

चित्र देखकर आपके मन में क्या विचार आ रहे हैं? लिखिए – जैसे कार से यात्रा करना।

....

....

....

....

अभ्यास–2

चित्र देखकर प्रसिद्ध दर्शनीय स्थलों का मिलान कीजिए।

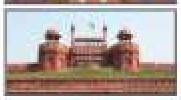

सोमनाथ मन्दिर

ताजमहल

अक्षरधाम मंदिर

लाल किला

कुतुब मीनार

जंतर मंतर

अजन्ता की गुफा

अभ्यास–3

आपने किसी स्थान की यात्रा की होगी। उसका रोमांचकारी अनुभव अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अभ्यास–4

यात्रा करने से पहले आप कौन–कौन सी तैयारी करते हैं? सूची बनाइए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–5

विद्यालय की ओर से आप अवश्य पिकनिक पर गए होंगे। पिकनिक से पहले का अनुभव एवं पिकनिक के बाद का अनुभव लिखिए।

पिकनिक जाने से पहले	पिकनिक जाने के बाद
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

अभ्यास–6

दिल्ली में कौन–कौन से दर्शनीय स्थल हैं? उनकी सूची बनाइए।

....

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

सिनेमा

29

हिंदी फिल्मों में गीतों का चलन आलमआरा (1931) से हुआ और तब से वे अब तक लोकप्रिय सिनेमा का अनिवार्य अंग बने हुए हैं। प्रारम्भ में अभिनेताओं को अपने गीत खुद गाने पड़ते थे जो उसी समय रिकॉर्ड किये जाते थे। बाद में जब यह महसूस किया गया कि हर अभिनेता या अभिनेत्री अच्छा गायक भी हो, यह जरूरी नहीं तो पार्श्व गायन की प्रथा शुरू हुई और उससे गायन और भी परिष्कृत हुआ। इस बीच रिकॉर्डिंग की तकनीक में भी बहुत सुधार हुआ और उससे भी गायन की शैली में परिवर्तन हुआ। सिनेमा जैसे लोकप्रिय माध्यम में गीत के बोलों का महत्व ज्यादा होता है क्योंकि उन्हीं के माध्यम से किसी धुन का भावनात्मक प्रभाव पैदा होता है।

अभ्यास–1

लोकप्रिय शब्द से आप परिचित हो गए होंगे। आपके लिए लोकप्रिय क्या–क्या है?

जैसे– लोकप्रिय नेता

लोकप्रिय

लोकप्रिय

अभ्यास–2

'आ' की मात्रा से शुरू होने वाली फिल्मों के नाम लिखिए–

जैसे– आलमआरा

....

....

....

....

....

अभ्यास–3

क्या आपको कोई लोकगीत याद है? अपने पसंदीदा लोकगीत की पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–4

आपके द्वारा देखी गयी एक हिंदी फिल्म का नाम लिखिए और बताइये उसमें आपको कौन–सी बातें अच्छी लगीं?

....

....

....

अभ्यास–5

फिल्म बनाने में अनेक व्यक्तियों का योगदान होता है। आपके अनुसार वे कौन–कौन से व्यक्ति होते हैं? किन्ही पाँच व्यक्तियों के नाम लिखिए।

जैसे– कैमरामेन, नृत्यकार

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

अभ्यास–6

टेलीविज़न पर अनेक कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। उनमें से अपने पसंदीदा कार्यक्रमों की सूची बनाइए।

....

....

....

....

अभ्यास–7

यदि आपको भी फिल्म बनाने का अवसर मिलता है तो आप किन–किन विषयों पर आधारित फिल्में बनाएँगे?

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

खिलखिलाती लड़कियाँ 30

लड़कियाँ खिलखिलाती हैं तेज धूप में,
लड़कियाँ खिलखिलाती है तेज बारिश में,
लड़कियाँ हँसती हैं हर मौसम में।
लड़कियाँ पिता के बाद संभालती हैं,
पिता के पिता से मिली दुकान,
लड़कियाँ वारिस हैं पिता की,
लड़कियों ने समेट लिया,
माँ को पिता के बाद,
लड़कियाँ होती है माँ।

—मुक्ता

अभ्यास—1

निम्न वर्ग पहेली में से पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर लिखिए।

रो	हि	त	कि	ता	ब
न		प		ज	क
क		सा	जि	या	री
म	छ	ली	ते	मि	मा
ल	ड़	का	श	नी	तु

स्त्रीलिंग

1. ....
2. ....
3. ....

पुल्लिग

1. ....
2. ....
3. ....

अभ्यास–2

निम्नलिखित शब्दों का सही मिलान कीजिए–

1.	तेज	रेलगाड़ी
2.	सुन्दर	बारिश
3.	मूसलाधार	धूप
4.	बड़ी	घर

अभ्यास–3

निम्नलिखित पंक्तियों को गद्य खण्ड में बदलो–

जैसे लड़कियाँ खिलखिलाती हैं तेज धूप में

लड़कियाँ तेज धूप में भी खिलखिलाती हैं।

1. लड़कियाँ हँसती हैं हर मौसम में ।

   ....

2. लड़कियाँ वारिस हैं पिता की

   ....

अभ्यास–4

बारिश से जुड़ी किसी रोचक घटना के बारे में बताइए।

....

....

....

....

....

अभ्यास–5

मौसम कितने प्रकार के होते हैं? नीचे दिखाई गई पत्तियों में लिखे महीनों से संबंधित मौसम को उसके साथ लिखिए।

अभ्यास–6

पहले लड़कियाँ केवल घर के कामों तक ही सीमित रहती थीं, किन्तु वर्तमान में लड़कियाँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। आपने किन–किन क्षेत्रों में लड़कियों को कार्य करते देखा है ?

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में साझा करते हैं, लिखते हैं।

आनंद

31

हम सब अपने जीवन को खुशियों से भरना चाहते हैं। सभी हर घड़ी आनंद में ही तो जीना चाहते हैं। जीना भी चाहिए इसलिए लोग हर पल आनंद की खोज में लगे रहते हैं। आनंद प्राप्ति के लिए हम न जाने क्या–क्या करते रहते हैं। अच्छा खाते हैं, अच्छा पहनते हैं, घर को खूब सजाकर रखते हैं, लेकिन बात नहीं बनती। हम आनंद पाने के लिए जितनी भाग–दौड़ करते हैं, छटपटाते हैं, आनंद उतना ही हमसे दूर भागता है। फिर कैसे प्राप्त करें आनंद ? जीवन को कैसे खुशियों से भरें ?

अभ्यास–1

नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प पर (✓) का चिन्ह् लगाइए।

जैसेः– इस गद्यांश में किसके बारे में बताया गया है?

(क) समाज (ख) जीवन

(ग) खोज (घ) खुशियाँ

1. हम आनंद प्राप्त करने के लिए क्या करते हैं?

(क) अच्छा भोजन करते हैं (ख) आराम करते हैं

(ग) भाग–दौड़ करते हैं (घ) मेहनत करते हैं

2. हम अपने जीवन को किससे भरना चाहते हैं?

(क) रुपयों से (ख) मौज–मस्ती से

(ग) लोगों से (घ) खुशियों से

3. आप अपने जीवन में किसे महत्व दोगे?

(क) शिक्षा (ख) धन–दौलत

(ग) मेहनत (घ) दोस्त

4. इस गद्यांश का शीर्षक बताइए–

(क) खुशी (ख) आनंद

(ग) मनोरंजन (घ) घूमना–फिरना

अभ्यास–2

हम प्रश्न करने के लिए प्रश्नवाचक चिह्न (?) का प्रयोग करते हैं जैसे–तुम घर कब आओगे ?

इसी प्रकार नीचे दिए गए किन–किन विराम चिह्नों का प्रयोग किया जायेगा – वाक्य के सामने दिए गए बॉक्स में लिखें।

- मेरे आस–पास बहुत सारे फूल खिले हैं ☐
- क्या आपने खाना खा लिया है ☐
- अध्यापक ने कहा आप जल्दी–जल्दी अपना कक्षा कार्य पूरा कर लें ☐
- वाह आज तो तुम बहुत सुंदर लग रही हो ☐

!	?	" "	।	–

अभ्यास–3

आप ऐसे कौन–कौन से कार्य करेंगे जिनसे आप को खुशी प्राप्त हो जैसे– दूसरों की मदद करना।

....

....

....

....

अभ्यास–4

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं इन शब्दों से मिलते–जुलते शब्द मंजूषा में से छाँटकर बॉक्स में लिखिए।

जैसे–	घर	**आँगन**
	जीवन	
	अच्छा	
	प्राप्त	
	खुशी	
	खोज	

मंजूषा

आँगन , चरित्र , आविष्कार

धन , प्रकट , दर्शन

अधिगम प्रतिफल

अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

तरंग में राग

32

सा–रे...गा...मा....पा....धा...नि....###

अभ्यास–1

निम्नलिखित वाद्‌य यंत्रों को पहचान कर उनके नाम लिखिए।

क्रम सं.	चित्र	नाम
1.		____________
2.		____________
3.		____________
4.		____________
5.		____________

अभ्यास–2

चित्र देखकर मिलान कीजिए–

क्रम सं.	चित्र	नाम
1.		सितार
2.		बाँसुरी
3.	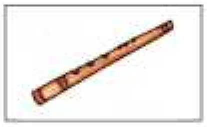	गिटार
4.	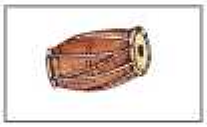	शहनाई
5.		ड्रम
6.	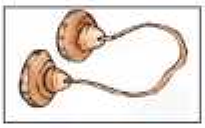	ढ़ोलक
7.		हारमोनियम
8.		मंजीरा
9.		वीणा
10.		तबला

अभ्यास–3

उपर्युक्त सूची से प्रमुख वाद्‌ययन्त्रों को बजाने वाले व्यक्तियों के नाम उनके द्वारा बजाए जाने वाले वाद्‌ययंत्रों के सामने लिखिए।

अमजद अली खान	शिवकुमार शर्मा	ज़ाकिर हुसैन
बिस्मिल्लाह खाँ	पं० रविशंकर	

1. बाँसुरी ____________________
2. तबला ____________________
3. सरोद ____________________
4. सितार ____________________
5. संतूर ____________________

अभ्यास–4

आपके आस–पास होर्ने वाले उत्सवों एवं समारोहों में कौन–कौन से वाद्‌ययंत्र बजाए जाते हैं ? उनकी सूची चित्र सहित बनाइए।

क्रम सं.	चित्र	नाम
1.		____________
2.		____________
3.		____________
4.		____________
5.		____________

अभ्यास–5

अपनी पंसद के वाद्य–यंत्र का चित्र बनाइए।

अधिगम प्रतिफल

हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री को समझते, पढ़ते व लिखते हैं।

नदियाँ

33

प्रकृति और मानव के बीच का मधुर सामंजस्य बढ़ती जनसंख्या एवं उपभोगी प्रवृत्ति के कारण घोर संकट में है। यह असंतुलन प्रकृति के विरुद्ध तीसरे विश्वयुद्ध के समान है। विश्वभर में वनों का विनाश, अवैध एवं असंगत उत्खनन, कोयला, पेट्रोल, डीजल के उपयोग में अप्रत्याशित वृद्धि और कल–कारखानों के विकास के नाम पर विस्तार ने मानव सभ्यता को महाविनाश के कगार पर ला खड़ा कर दिया है। विश्व की प्रसिद्ध नदियाँ जैसे –गँगा, यमुना, नर्मदा, राइन, सीन, मास, टेम्स जैसी नदियाँ भयानक रूप से प्रदूषित हो चुकी है। इनके निकट बसे लोगों का जीवन दूभर हो गया है।

अभ्यास–1

मानव जीवन पर आए घोर संकट के कौन–कौन से कारण हैं?

....

....

....

अभ्यास–2

पेड़ों को काटने से हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ?

....

....

....

अभ्यास–3

विश्व की प्रसिद्ध नदियों के नाम लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–4

नदियों के किनारे बसे लोगों का जीवन दूभर क्यों हो गया है ?

....

....

....

अभ्यास–5

गंगा, यमुना व नर्मदा नदियाँ भारत के किन–किन राज्यों से बहकर निकलती हैं ?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं।

साइकिल की सवारी

34

फातिमा एक माध्यमिक स्कूल में पढ़ाती है और उन्हें साइकिल चलाने का ऐसा चाव लगा है कि वे हर शाम आधे घंटे के लिए किराए पर साइकिल लेती है। एक नई साइकिल खरीदने में असमर्थ है। फातिमा ने बताया कि ''साइकिल चलाने में एक खास तरह की आज़ादी है। हमें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। मैं इसे कभी नहीं छोडूँगी''। जमीला, फातिमा और उनकी मित्र सायमा इन सबकी उम्र २० वर्ष के आस–पास है और इन्होनें अपने समुदाय की अनेक युवतियों को साइकिल चलाना सिखाया है।

अभ्यास–1

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

शब्द	वाक्य में प्रयोग
1. खास	राधा मेरी खास मित्र है।
2. असमर्थ	....
3. समुदाय	....
4. चाव	....
5. निर्भर	....

अभ्यास–2

सुलतान अपने विद्यालय साइकिल से जाता है। आप अपने विद्‌यालय कैसे जाते/जाती हो? अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

अभ्यास–3

फातिमा साइकिल चलाने में आज़ादी महसूस करती है। आप किन–किन कार्यों को करने में आज़ादी का अहसास करते/करती हैं ?

....

....

....

अभ्यास–4

आप आवागमन (आने–जाने) के लिए कौन–कौन से साधनों का प्रयोग करते हैं? लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–5

फातिमा की तरह आप भी ऐसे कौन – कौन से कार्य करोगे/करोगी जिससे समाज में परिवर्तन आ सके?

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान

35

अभ्यास–1

बच्चों आप अपने विद्यालय में स्वच्छता से संबंधित किन–किन बातों का ध्यान रखते हो ? किन्हीं पाँच के विषय में लिखिए। जैसे–डेस्क साफ रखना।

अभ्यास–2

क्या आपके विद्यालय में कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाता है? इस दिन आप क्या करते हैं?

अभ्यास–3

कृमि संक्रमण से बचाव के लिए कौन–कौन सी सावधानियाँ रखनी चाहिए?

अभ्यास–4

आप अपने मित्रों के साथ अपनी कॉलोनी के बच्चों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के विषय में क्या–क्या बताओगे? जैसे –नाखून साफ़ / छोटे रखना।

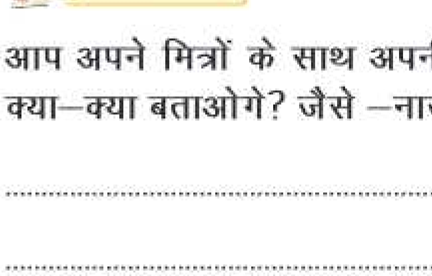

अभ्यास–5

यदि आप साफ–सफ़ाई का ध्यान नहीं रखोगे तो आपको कौन–कौन सी बीमारियाँ हो सकती हैं? सूची बनाइए जैसे– पेट दर्द।

....

....

....

अभ्यास–6

आपके विद्यालय में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किस प्रकार मनाया जाता है? आप इस दिवस पर अपना योगदान किस प्रकार देते हो ?

....

....

....

अभ्यास–7

बच्चों, क्या कभी आपके पेट में कृमि (कीड़े) हुए हैं? यदि हुए हैं तो अपने अनुभव लिखिए।

....

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं।

ओलंपिक खेल

36

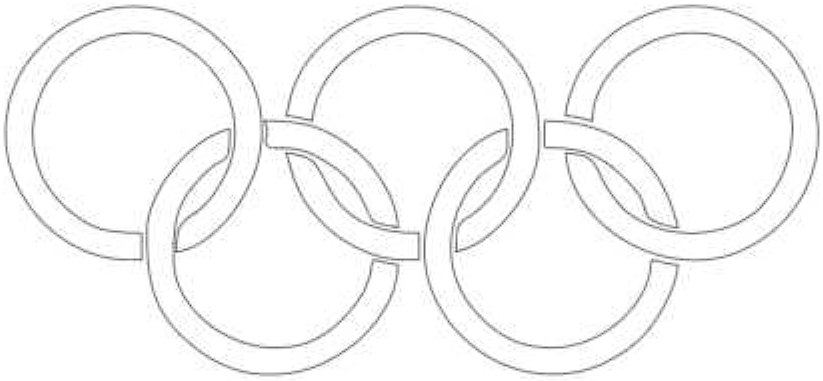

लाल	नीला	काला
पीला	हरा	

अभ्यास–1

ऊपर दिए गए छल्लों में बॉक्स में दिए गए रंगों को क्रम से भरिए।

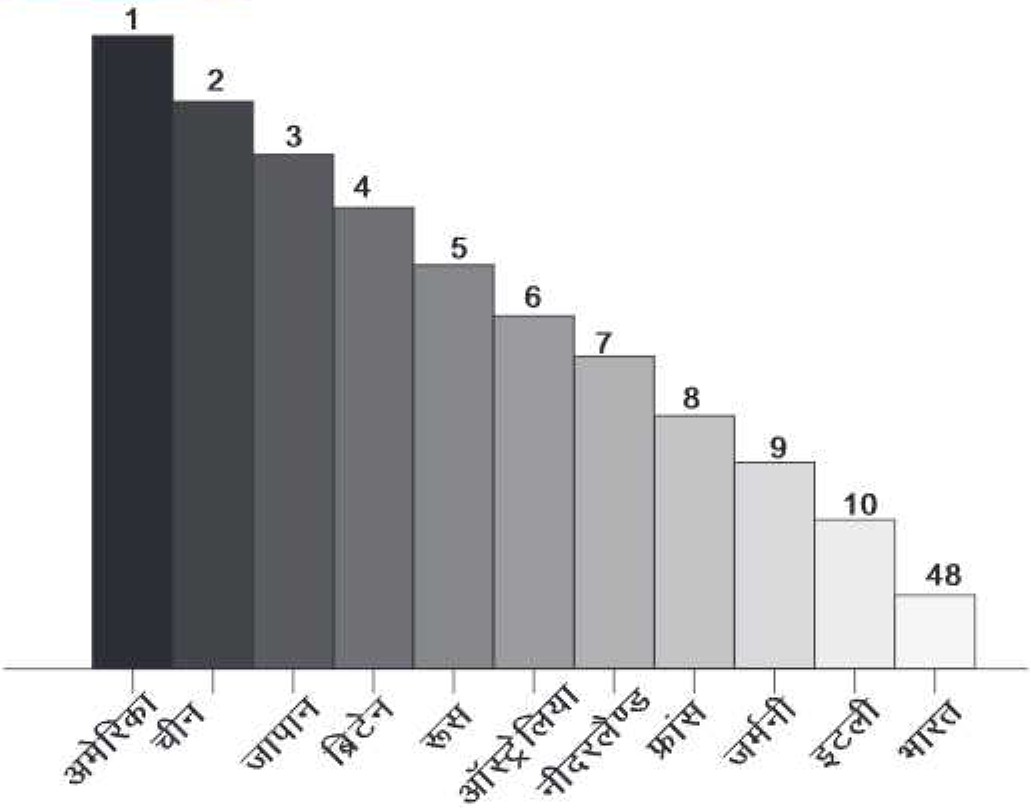

ओलंपिक खेल पदक तालिका 2020

अभ्यास–2

ग्राफ को देखकर सूची पूरी कीजिए।

1. सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाला देश ....
2. द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाला देश ....
3. चीन के बाद सर्वाधिक पदक जीतने वाला देश ....
4. ऑस्ट्रेलिया से पहले सर्वाधिक पदक प्राप्त करने वाला देश ....
5. पद्क तालिका में भारत ने कौन–सा स्थान प्राप्त किया? ....

अभ्यास–3

भारतीय ओलंपिक पदक विजेताओं के नाम चित्र पहचानकर लिखिए।

चित्र	पदक विजेता का नाम
	....
	....
	....
	....
	....
	....
	....

अभ्यास–4

निम्नलिखित देशों को उनके झंडे के साथ मिलान कीजिए।

देश		झण्डा
1.	अमेरिका	
2.	भारत	
3.	जापान	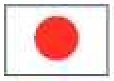
4.	ब्रिटेन	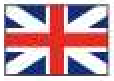
5.	बांग्लादेश	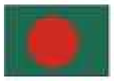

अभ्यास–5

ओलंपिक खेलों में यदि आपको खेलने का मौका मिले तो आप कौन–सा खेल खेलना पसंद करोगे / करोगी और क्यों ?

....

....

....

....

अभ्यास–6

खेलों में तीन तरह के पदक खिलाड़ियों को दिए जाते हैं। उनके नाम लिखकर उनमें रंग भरिये–

अधिगम प्रतिफल

किसी पाठयवस्तु को पढ़ने के दौरान समझते प्रयोग करते हैं।

मॉर्निंग वॉक

37

प्यारे बच्चों! आप पार्क से बहुत अच्छी तरह से परिचित होंगे। आपके आस–पास से बहुत सारे लोग पार्क में मॉर्निंग वॉक करने भी जाते होंगे। अगर आप पार्क में घूमने जाएँ तो आपको पार्क में बहुत सारे लोग विभिन्न प्रकार के कार्य करते दिखाई देंगे। जिनमें कुछ मॉर्निंग वॉक कर रहे होंगे, कुछ व्यायाम कर रहे होंगे, पार्क में बहुत सारे लोग बातें कर रहे होंगे और बच्चे खेल रहे होंगें। पार्क में तरह–तरह के पेड़–पौधे व रंग–बिरंगे फूलों को देख कर हमारे मन में स्फूर्ति व ताज़गी का अनुभव होता है व सारे वातावरण को देखकर हम आनंदित होते हैं। तरह–तरह के पक्षियों की आवाज़ें हमारे मन में अद्‌भुत जिज्ञासा उत्पन्न करती है। ताज़ी हवा में सुबह की सैर करने का मज़ा ही कुछ और है। आप अपने मित्रों के साथ प्रतिदिन पार्क में सैर करने के लिए अवश्य जाएँ जिससे आप स्वस्थ व प्रसन्नचित्त रहें।

अभ्यास–1

आपको पार्क में सर्वाधिक कौन–कौन सी चीजें आकर्षित करती हैं और क्यों ?

....

....

....

अभ्यास–2

आप पार्क में व्यक्तियों को कौन–कौन से क्रिया–कलाप करते हुए देखते हैं? लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–3

आपने पार्क में किन–किन पेड़–पौधों व फूलों को देखा? उनके नाम लिखिए।

पेड़	पौधे	फूल
....	....	....
....	....	....
....	....	....

अभ्यास–4

आप अपने मित्रों के साथ पार्क में कौन–कौन से खेल खेलना पसंद करेंगे?

....

....

....

अभ्यास–5

पार्क में आपको विभिन्न पशु–पक्षियों की आवाज़े सुनने को मिलती हैं। इन आवाज़ों को सुनकर आपके मन पर क्या प्रभाव पड़ा? अपने शब्दों में लिखिए।

अभ्यास–6

आप कौन–कौन से व्यायाम करते हैं? व्यायाम करने से आपको क्या–क्या लाभ होते हैं? लिखिए।

अभ्यास–7

सुबह के दृश्य को दर्शाते हुए पार्क का चित्र बनाइए और रंग भरें।

अधिगम प्रतिफल

अभिव्यक्ति की विविध शैलियों या रुपों को पहचानते हैं व स्वयं लिखते हैं।

किसान

38

धरती का चीरकर सीना, नई फसलें उगाता है।
उगाकर अन्न मेहनत से, हमें रोटी खिलाता है।
सदा जिसने मिटाई भूख, जन–जन की जहाँ भर की
वही हलधर अभावों में, गले फाँसी लगाता है
तपती धूप में, काली घटाओं में
लड़े अड़ जाये दुष्कर आसमानी आपदाओं में।
कभी जो हार न माने नतीजा चाहे जो भी हो
वही फिर टूट जाता है, हार जाता है अभावों में।
ज़रा सोचो उन्नति से, सियासत से क्या पालोगे
अगर ये न उगाएँगे, तो क्या तुम खुद उगा लोगे।
अभी भी वक्त है हम जाग जाये,
इससे पहले कि ये खेती छोड़ बैठें
तो क्या खा लोगे, खिलाओगे।

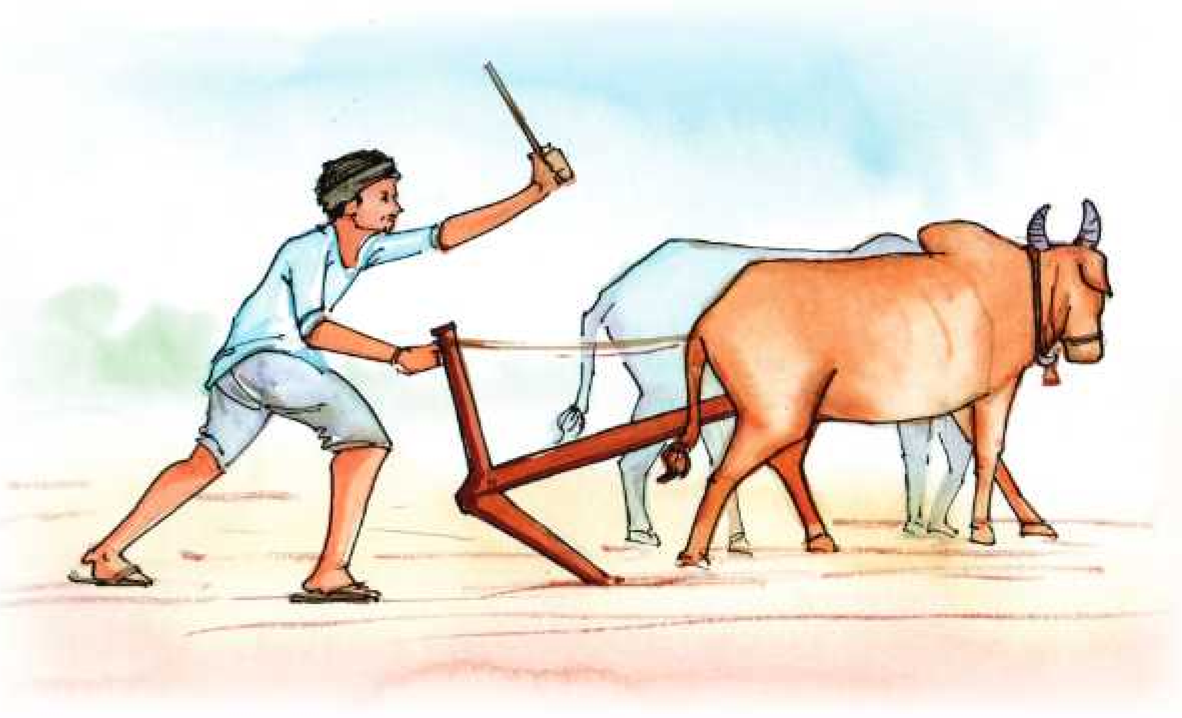

अभ्यास–1

आपने खेत खलिहान देखे होंगे। खेत में कार्य कर रहे किसान को दिखाते हुए सुंदर चित्र बनाइए।

अभ्यास–2

आपके अनुसार खेती करने में किसान किन–किन परेशानियों को सहता है, लिखिए।

अभ्यास–3

किसान कौन–कौन सी फसलें उगाता है जिससे उसे अन्नदाता कहा जाता है?

अभ्यास–4

यदि किसान ने खेती करना छोड़ दिया तो हमारे सामने कौन–सा संकट खड़ा हो सकता है?

....

....

....

अभ्यास–5

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

1. नया ....
2. धूप ....
3. हार ....
4. जागना ....
5. टूटना ....

अभ्यास–6

नीचे दिए गए शब्दों को उनके अर्थों के साथ मिलान कीजिए।

शब्द	अर्थ
1. सीना	राजनीति
2. हलधर	परेशानी
3. आपदा	छाती
4. सियासत	कमी
5. अभाव	किसान

अभ्यास–7

नीचे एक तालिका दी गयी है। इसमें से खेती से संबंधित कार्य व निजी व्यवसाय से संबंधित कार्य छाँटकर अलग–अलग कीजिए।

मधुमक्खी पालन	अगरबत्ती बनाना	मछली पालना	मिट्टी के बर्तन बनाना
बुवाई करना	पशुपालन	मोमबत्ती बनाना	

खेती से संबंधित कार्य	निजी व्यवसाय से संबंधित कार्य
______________________	______________________
______________________	______________________
______________________	______________________
______________________	______________________
______________________	______________________

अभ्यास–8

नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

1. मिट्टी के बर्तन बनाने वाला ....
2. कपड़े रंगने वाला ....
3. लोहे का काम करने वाला ....
4. कपड़ों को धोने वाला ....
5. कपड़ों को सिलने वाला ....
6. सोने के गहने बनानें वाला ....

अधिगम प्रतिफल

कहानी, कविता आदि को पढ़कर लेखन के विविध तरीकों को पहचानते हैं व स्वयं लिखते हैं।

कोरोना वायरस

39

कोरोना वायरस ने सम्पूर्ण मानवजाति को झकझोर कर रख दिया है। कोरोना संक्रमण ने दिन–प्रतिदिन नए रिकॉर्ड बनाए। यह संक्रमण तेजी से पूरी दुनिया में फ़ैल गया। इस वायरस का संक्रमण दिसम्बर 2019 में चीन के वुहान शहर से शुरू होकर विश्व भर में फ़ैल गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन **(WHO)** ने कोरोना वायरस को महामारी घोषित किया है। डब्लू एच ओ के मुताबिक बुखार, खाँसी, साँस लेने में तकलीफ इसके लक्षण हैं।

हमारे देश भारत ने भी इस महामारी का डटकर सामना किया। हमारे देश में अब तक दो लहर आ चुकी हैं। कोरोना महामारी से लड़ने के लिए हमारे वैज्ञानिकों ने दो कोरोना निरोधी वेक्सीन का आविष्कार किया है, जो हमारे देश के नागरिकों को बचाने में कारगर साबित हो रही है। कोरोना वायरस से बचाव हेतु बहुत से उपाय किए जा रहे हैं। जैसे– मास्क लगाना, सामाजिक दूरी का पालन करना, साफ़–सफ़ाई रखना, वैक्सीन लगवाना आदि। अभी भी यह वायरस समाप्त नहीं हुआ है। हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। मास्क का प्रयोग व सामाजिक दूरी का पालन करना अनिवार्य है।

अभ्यास–1

आपके घर या पड़ोस में समाचार पत्र आता होगा। उसको आधार बनाकर सूची बनाइए जिन समाचारों को देखकर आपको –

खुशी मिली	आश्चर्य हुआ	नया ज्ञान मिला
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

अभ्यास–2

कोरोना से संबंधित जानकारी प्राप्त कर कोई भी पाँच ब्रेकिंग न्यूज़ लिखिए।

अभ्यास–3

कोरोना महामारी के दौरान हमें क्या सीख मिली? उसे अपने शब्दों में लिखिए।

अभ्यास–4

यदि आपको कोरोना महामारी से बचने के लिए लोगों को सुझाव देना पड़े तो आप उन्हें क्या–क्या सुझाव देंगे? जैसे– साबुन से बार–बार हाथ धोना।

अभ्यास–5

हमारे जीवन में ऑक्सीजन का क्या महत्त्व है? ऑक्सीजन हमें कहाँ से मिलती है ?

....

....

....

....

अभ्यास–6

कोरोना काल के दौरान आपने घर पर कौन–कौन से कार्य किए? उनकी सूची बनाइए।

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

पर्यावरण

40

'पर्यावरण' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है 'परि + आवरण'। अर्थात हमारे चारों ओर फैले वायु के आवरण को ही पर्यावरण कहते हैं। हमारी पृथ्वी पर जीवन के लालन–पालन के लिए पर्यावरण प्रकृति का उपहार है। वे प्रत्येक तत्व जिनका उपयोग हम जीवित रहने के लिए करते हैं, वे सभी पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं। जैसे– हवा, पानी, प्रकाश, भूमि, पेड़, जंगल, और अन्य प्रकृतिक तत्व। हम सभी ने हमेशा से पर्यावरण के संसाधनों का भरपूर इस्तेमाल किया है। पर्यावरण के अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

पर्यावरण का रखेंगे हम ध्यान,
अपने देश को बनाएंगे महान।

पर्यावरण के किसी भी तत्व में होने वाला अवांछनीय परिवर्तन जिससे जीव जगत् पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, प्रदूषण कहलाता है। पर्यावरण प्रदूषण चार प्रकार के होते हैं– (1) वायु प्रदूषण (2) जल प्रदूषण (3) ध्वनि प्रदूषण (4) भूमि प्रदूषण। प्रदूषण विभिन्न प्रकार की बीमारियों को जन्म देते हैं। अत: हमें पर्यावरण की सुरक्षा करनी चाहिए तथा पर्यावरण को गन्दा होने से बचाना चाहिए।

अभ्यास–1

पर्यावरण प्रदूषण कितने प्रकार के होते हैं? आप अपने आस–पास कौन–कौन से प्रदूषण देखते हैं?

....

....

....

....

अभ्यास–2

जल प्रदूषण क्या है? जल को दूषित होने से बचाने में आप क्या योगदान दे सकते हैं?

....

....

....

....

अभ्यास–3

अपने विद्यालय में पर्यावरण को प्रदूषित होते हुए आप कहाँ–कहाँ देखते हैं? इसे रोकने में आप किस प्रकार मदद कर सकते है? लिखिए।

....

....

....

....

अभ्यास–4

वायु प्रदूषण को दर्शाते हुए चित्र बनाकर उसमे रंग भरिए।

अभ्यास–5

जल प्राप्त करने के स्त्रोत कौन–कौन से होते हैं? कोई एक स्त्रोत का चित्र बनाइए।

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं।

स्वच्छ भारत

41

स्वच्छ भारत का इरादा, इरादा कर लिया हमने,
देश से अपने ये वादा, ये वादा कर लिया हमने
हमसे निकलेगी स्वच्छता की एक नदी सरसर–सरसर, कलकल–कलकल
एक धूली–सी जिंदगी, स्वच्छता की जोत लेकर घर–घर जायेंगे
साफ-सुथरी रोशनी में सब नहायेंग
स्वच्छ भारत का इरादा, इरादा कर लिया हमने,
देश से अपने ये वादा, ये वादा कर लिए हमने
हर गली अब उन्नति की राह जायेगी
धूप आशा की आँगन–आँगन गायेगी
स्वच्छ भारत का इरादा, कर लिया हमने,
देश से अपने ये वादा, ये वादा कर लिया हमने

अभ्यास–1

आपको नीचे दिये गये कूड़ेदानों में रंगभर कर बताना है कि कौन–सा कूड़ेदान सूखे कूड़े के लिए है और कौन–सा कूड़े दान गीले कूड़े के लिए है?

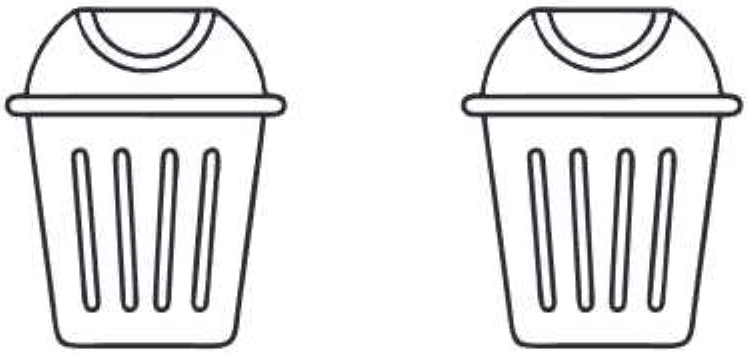

अभ्यास–2

विद्यालय को स्वच्छ रखने में आप किस प्रकार योगदान देते है?

....

....

....

....

अभ्यास–3

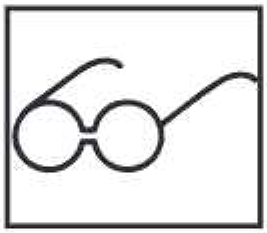

ये चश्मा हमें किस व्यक्ति की याद दिलाता है? उनसे संबंधित अन्य वस्तुएँ लिखिए।

जैसे – चरखा।

....

....

....

....

अभ्यास–4

आप अपनी कॉलोनी को स्वच्छ रखने के लिए अपने मित्रों के साथ किस प्रकार का अभियान आरम्भ करेंगे जिससे आपकी कॉलोनी साफ हो जाए। जैसे– लोगों को समझाना कि कूड़ा कूड़ेदान में डालें।

पाँच सुझाव लिखिए–

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

अभ्यास–5

इस गाने के स्थान पर आप कोई अन्य गाना लिखें जो कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में चलाया जा सके।

....

....

....

....

अभ्यास–6

दी गई कूड़े की सूची में से कौन–कौन सा कूड़ा किस कूड़े दान में जाएगा–

पेपर (कागज़), कपड़ा, बोतल, अंडे के छिलके, सब्जियों के छिलके, टूटे पैन, पैंसिल, प्लेट, मिट्टी, पौधे, घास, पर्स, कुर्सी, अलमारी, पॉलिथीन बैग, जूता, चूड़ियाँ, घड़ी, बाल्टी, सरिया, खराब भोजन, सड़ी हुई सब्जियाँ, रस्सी।

सूख कूड़ा	गीला कूड़ा

अभ्यास–7

स्वच्छ भारत अभियान पर कोई दो स्लोगन लिखिए–

अधिगम प्रतिफल

कहानी, कविता आदि को पढ़कर लेखन के विविध तरीकों को पहचानते हैं।

गाँव

42

हमारे देश की आत्मा गाँव में बसती है। गाँव में अनेक उत्सवों व त्योहारों के अवसरों पर मेलों का आयोजन किया जाता है। ये मेलें हमें विभिन्नता में एकता का परिचय करवाते हैं। इन मेलों में गरीब–अमीर, छोटे–बड़े, महिला–पुरूष व बच्चे बुजुर्ग सभी शिरकत करते हैं। मेलों में एक ही स्थान पर सभी प्रकार की सामग्री मिल जाती है। बच्चों के लिए झूले व मनोरंजन का सामान भी आसानी से मिल जाता है।

शहरों में साप्ताहिक बाजार मेलों का स्वरूप लिए हुए होते हैं। इन बाजारों में प्रति–सप्ताह महिलाएँ, बच्चे व बड़े सभी अपनी जरूरत के अनुसार सामान खरीदते हैं। साप्ताहिक बाजारों में अनेक दुकानें सजी होती हैं। बच्चों के लिए झूले, आइसक्रीम, खिलौने आदि चीजें आसानी से मिल जाती हैं। साप्ताहिक बाजार रंग–बिरंगी छवि के साथ–साथ सांस्कृतिक समन्वय को प्रदर्शित करते हैं।

अभ्यास–1

बच्चों आपको कभी किसी मेले में जाने का अवसर मिला होगा, वहाँ का अनुभव अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

अभ्यास–2

आप सभी साप्ताहिक बाज़ार में गए होंगे/होंगी, वहाँ आपने कौन–कौन सी दुकानें देखीं? सूची बनाइए।

....

....

....

....

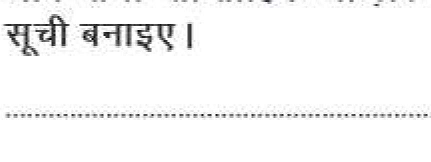

अभ्यास–3

साप्ताहिक बाजार में अपने मित्रों के साथ आपने किस प्रकार से मनोरंजन किया?

....

....

....

....

अभ्यास–4

यदि आपको किसी साप्ताहिक बाज़ार या मेले में जाने का अवसर मिले तो अपने परिवार के सदस्यों के लिए कौन–कौन सी चीज़ें खरीदेंगे?

....

....

....

....

अभ्यास–5

साप्ताहिक बाजार व सामान्य बाजार में क्या अन्तर होता है? अपने विचार लिखिए।

साप्ताहिक बाजार	सामान्य बाजार
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

अभ्यास–6

मेले या साप्ताहिक बाज़ार में आपने कौन–कौन सी चीजें खाने का आनन्द लिया? लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

अलादीन का चिराग

43

बच्चों! आपने अलादीन के चिराग की कहानी सुनी होगी। इस कहानी में अलादीन के पास एक चिराग था। इस चिराग में एक जिन्न रहता था। जब भी चिराग पर हाथ फेरा जाता तो उसमें से एक जिन्न निकलता था और वह कहता था, ''क्या हुकुम है मेरे आका'' और अपने मालिक अलादीन से उसकी इच्छा पूछकर उसे तुरन्त पूरी कर देता था। ये सब देखकर अलादीन बहुत खुश होता था। इस तरह अलादीन की सारी ख्वाहिशें पूरी हो जाती थी। ऐसा कभी आपने सोचा है कि काश हमारे पास भी ऐसा कोई चिराग होता और वह हमारी इच्छाएँ पूरी करता। बच्चों असल जिंदगी में बिना मेहनत के कोई सफलता संभव नहीं है। परिश्रम और शिक्षा से ही सभी इच्छाएँ पूरी की जा सकती हैं।

अभ्यास–1

अलादीन की तरह आपकी कौन–कौन सी इच्छाएँ हैं, जिन्हें आप पूरा करना चाहते हो?

....

....

....

अभ्यास–2

अलादीन के चिराग का जिन्न आपके अनुसार क्या–क्या काम कर लेता होगा?

....

....

....

अभ्यास–3

यदि आपके पास जिन्न होता तो आप उसका क्या नाम रखते और उससे क्या–क्या काम करवाते? लिखिए।

....

....

....

अभ्यास–4

आपके घर में जिन्न की तरह इच्छा पूरी करने वाला व्यक्ति कौन है जिसे आप अपनी इच्छा बताते / बताती हैं और वह पूरी हो जाती हैं? अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

....

....

....

अभ्यास–5

निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हुए कहानी लिखिए। शीर्षक है– संगठन में शक्ति

एकता, मेहनत, किसान, तीन बेटे संगठन, बल	लकड़ी कस गठ्ठर, खेती, फसल, शक्ति

....

....

....

....

....

....

अधिगम प्रतिफल

पढ़कर अपरिचित घटनाओं की कल्पना करते हुए उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों को मौखिक या लिखित रूप में बताते हैं।

विद्यालय

44

प्यारे बच्चों! आप विद्यालय जाते हो। आप अपने विद्यालय से भली–भाँति परिचित हो। आप विद्यालय में अपने अध्यापकों और सहपाठियों–मित्रों से मिलते हो। विद्यालय में होने वाली गतिविधियों से आप अवगत हो। बहुत सारी गतिविधियों में आप भाग भी लेते हो। विद्यालय में आप सुबह से लेकर दोपहर तक कोई न कोई कार्य कर रहे होते हो। विद्यालय में होने वाली गतिविधियों और घर में होने वाली गतिविधियों में बहुत अंतर नहीं होता है। जिस प्रकार आप घर में सभी नियमों का पालन करते हो, उसी प्रकार विद्यालय में भी आप नियमों से बंधे होते हो। विद्यालय से आपका एक विशेष प्रकार का संबंध होता है।

अभ्यास–1

जब आप अपने विद्यालय के मुख्य द्वार से विद्यालय में प्रवेश करते हो तो गेट के ऊपर आपके विद्यालय का क्या नाम लिखा होता है? आप इस नाम के स्थान पर अन्य क्या नाम रखना पसंद करोगे?

....

....

....

....

अभ्यास–2

आपके विद्यालय में कौन–कौन से महापुरूषों की तस्वीरें लगी हुई हैं? जैसे– महात्मा गाँधी

....

....

....

....

अभ्यास–3

आपके विद्यालय में प्रार्थना सभा में कौन–कौन–सी प्रार्थनाएँ गाई जाती हैं? जैसे– इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो ना...

....

....

....

....

अभ्यास–4

आप अपने विद्यालय में कौन–कौन से विषय पढ़ते हो? इन विषयों के अतिरिक्त और अन्य कौन–कौन से विषय पढ़ाये जाते हैं? लिखिए जैसे– रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान

जो विषय आप पढ़ते हो	अन्य विषय
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

अभ्यास–5

आपके विद्यालय में एक कक्ष होगा जिसके ऊपर 'चिकित्सालय' लिखा होगा। आप ने कभी चिकित्सालय का लाभ भी उठाया होगा। चिकित्सालय में आपने कौन–कौन सी दवाईयाँ व यंत्र देखे हैं?

सूची बनाइए। जैसे–थर्मामीटर

अभ्यास–6

आप अपने विद्यालय में कौन–कौनसी गतिविधियों में भाग लेते हो? जैसे– राष्ट्रीय कैडेट कोर।

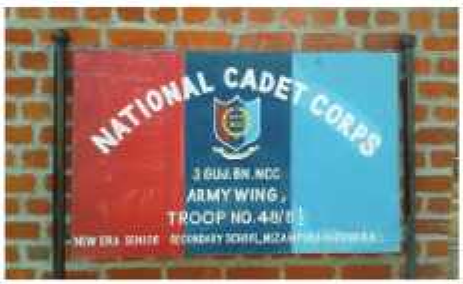

अभ्यास–7

आपके विद्यालय में किन–किन नियमों का पालन किया जाता है? जैसे–समय पर स्कूल पहुँचना।

अधिगम प्रतिफल

अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।